नई दिल्ली
गुरुवार
25 अप्रैल, 2024
वर्ष: 10, अंक: 233
पृष्ठ: 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स जीती, गुजरात...पेज-07

DELHIN/2014/58158

मोदी जी को प्रधानमंत्री बनायेंगे तो भारत अर्थव्यवस्था...पेज-05

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

एक नजर

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन ने खटखटाया उच्चतम न्यायालय का दरवाजा

नई दिल्ली। झारखंड में कथित भूमि घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से गिरफ्तारी के बाद करीब तीन माह से न्यायिक हिरासत में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उच्च न्यायालय के आदेश पारित करने में देरी का हवाला देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने झारखंड मुक्ति मोर्चा ने हेमंत सोरेन का पक्ष रखते हुए उनकी अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने कहा कि शीघ्र सुनवाई के मामले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ कोई विचार कर सकते हैं।

कांग्रेस ने आंध्र में लोकसभा तथा विधानसभा सीटों के उम्मीदवार किये घोषित

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में लोकसभा की तीन और विधानसभा के लिए 11 उम्मीदवारों के नाम घोषित किये हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए आज बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने राज्य की नरसिंहपुर सीट से के बी आर नायडू, राजमपेट से एस के बशीद तथा चित्तुर से एम जगपति को उम्मीदवार बनाया है।

एआईआरएफ की कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ) के शताब्दी अधिवेशन के दूसरे दिन बुधवार को एआईआरएफ कार्यसमिति की बैठक यहां मल्टी स्पोर्टस इंडोर हॉल में आयोजित की गयी। बैठक में देश की सामाजिक, आर्थिक दशा, रेल कर्मचारियों की लंबित मांगे और नयी पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना की बहाली, रेलवे में यूनियनों की मान्यता हेतु गुप्त मतदान एवं अन्य मांगों से संबंधित कई प्रस्ताव भी सर्व सम्मति से पास किए गए। कार्यसमिति की बैठक के उपरांत अपराह्न दो बजे नयी दिल्ली अजमेरी गेट से करनैल सिंह स्टेडियम तक शताब्दी अधिवेशन की रैली निकाली गयी। रैली में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के रेलवे ट्रांसपोर्ट सेक्टर से जुड़े नेताओं के अलावा रेलवे के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

बेहतर कल के लिए सुदृढ बुनियादी ढांचे में निवेश जरूरी: प्रधानमंत्री

मोदी ने छठे अंतरराष्ट्रीय आपदा-रोधी अवसंरचना सम्मेलन को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बेहतर कल के लिए आज सुदृढ़ बुनियादी ढांचे में निवेश किये जाने की जरूरत है। श्री मोदी ने बुधवार को यहां छठे अंतरराष्ट्रीय आपदा-रोधी अवसंरचना सम्मेलन को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में हिस्सा लेने आये प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि उनकी भागीदारी आपदा मोचन से संबंधित बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण मुद्दे पर वैश्विक चर्चा और निर्णयों को मजबूत प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में गठन के बाद से आपदा मोचन गठबंधन ने प्रभावशाली ढंग से कार्य किया है और अब यह 39 देशों तथा 7 संगठनों का वैश्विक गठबंधन बन गया है। उन्होंने कहा, यह भविष्य के लिए एक अच्छा संकेत है। बढती प्राकृतिक आपदाओं को गंभीर विषय बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अक्सर इनके असर को आर्थिक नुकसान की दृष्टि से देखा जाता है लेकिन वास्तव में इसका सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव लोगों, परिवारों और समुदायों पर पडता है जिसे मापा नहीं जा सकता।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, हमें बेहतर कल के लिए आज सुदृढ़ बुनियादी ढांचे में निवेश करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपदा के बाद के पुनर्निर्माण का हिस्सा होने के साथ-साथ नए बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी सुदृढ़ता के पहलू पर ध्यान दिया जाना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि आपदाओं की कोई सीमा नहीं होती और इनका विश्व में व्यापक प्रभाव होता है। उन्होंने कहा, समस्त विश्व सामूहिक रूप से तभी सुदृढ़ हो सकता है, जब प्रत्येक देश अपने आप में सुदृढ़ हो। उन्होंने साझा जोखिमों के कारण सबको सशक्त बनाये जाने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि सीडीआरआई तथा यह सम्मेलन पूरी दुनिया को इस सामूहिक मिशन के लिए एक साथ आने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, साझा रूप से सशक्त होने के लिए, हमें सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करना चाहिए। आपदाओं के बहुत अधिक जोखिम वाले छोटे द्वीपीय विकासशील देशों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने ऐसे 13 स्थानों पर परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए सीडीआरआई कार्यक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने डोमिनिका में प्रतिरोधी आवास, पापुआ न्यू गिनी में प्रतिरोधी परिवहन नेटवर्क और डोमिनिकन गणराज्य और फिजी में उन्नत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों का उदाहरण दिया। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि सीडीआरआई का फोकस ग्लोबल साउथ पर भी है। श्री मोदी ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान चर्चा के केंद्र में वित्तपोषण सहित एक नए आपदा जोखिम कार्य समूह के गठन को याद किया और कहा कि इस तरह के कदम सीडीआरआई के विकास के साथ-साथ दुनिया को एक लचीले भविष्य की ओर ले जाएंगे।

लोस चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार थमा

नई दिल्ली,एजेंसी। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अभियान बुधवार शाम थम गया। इस चरण में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा।

निर्वाचन आयोग के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दूसरे चरण में मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर भी चुनाव होना था, लेकिन बहुजन समाज पार्टी (बसपा) उम्मीदवार के निधन के बाद अब इस सीट पर चुनाव सात मई को तीसरे चरण में होगा। इन सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनावी मैदान में भाग्य आजमा रहे हैं। इस चरण में केरल की 20, कर्नाटक की 14, राजस्थान की 13, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ- आठ , मध्य प्रदेश की छह, असम और बिहार की पांच-पांच, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन-तीन और जम्मू-कश्मीर, मणिपुर तथा त्रिपुरा की एक-एक सीट पर मतदान होगा। मत सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक डाले जायेंगे और मतगणना चार जून को होगी। निर्वाचन आयोग के अनुसार इस चरण के लिये 89 सामान्य पर्यवेक्षक, 53 पुलिस पर्यवेक्षक और 109 व्यय पर्यवेक्षक तैनात किये गये हैं। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा की जीत की संभावनाओं को मजबूत करने के लिये कई रैली और रोड शो किये। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी सक्रिय रूप से

प्रचार किया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा तथा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने जमकर चुनाव प्रचार किया। कांग्रेस अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ नेता राहुल गांधी , प्रियंका गांधी , कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उप-मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तथा पार्टी के दिग्गज नेताओं ने भी जोर-शोर से चुनाव प्रचार किया। दूसरे चरण की हाई प्रोफाइल सीटों में जहां वायनाड से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अग्नि परीक्षा होगी, वहीं तीन केंद्रीय मंत्री और दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। राजस्थान के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्रों के भाग्य का फैसला भी जनता 26 अप्रैल को ही तय करेगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव लोकसभा सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को टिकट दिया है। कर्नाटक की मान्ड्या लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी की साख दांव पर है।

रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता जरूरी: जनरल पांडे

नई दिल्ली,एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने अनुसंधान एवं विकास के बल पर रक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और लड़ाकू प्लेटफार्मों तथा प्रणालियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत पर बल दिया है। जनरल पांडे ने बुधवार को यहां एक सेमिनार को संबोधित किया। सेमिनार का आयोजन सेना की ओर से सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज ने किया था।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी , रक्षा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के नए रणनीतिक क्षेत्र के रूप में उभरी है। उन्होंने कहा कि सूचना से लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं तक विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जा रहा है। हाल के संघर्षों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विघटनकारी और दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही हैं। इस तरह यह आधुनिक युद्धों के चरित्र को बदल रही हैं। जनरल पांडे ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सेना को आधुनिक, चुस्त और प्रौद्योगिकी से लैस करने की दिशा में प्रयास जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने सभी हितधारकों, सेनाओं, उद्योग भागीदारों, स्टार्ट-अप, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, शिक्षा जगत और नीति निर्माताओं से अपने प्रयासों में तालमेल बिठाने और एक जीवंत राष्ट्रीय रक्षा इको-सिस्टम विकसित करने का आग्रह किया। सेमिनार में सैन्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत हार्डवेयर जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों तथा उद्योग जगत के पेशेवरों को एक मंच पर लाया गया। इसका उद्देश्य सेना में तकनीकी उन्नयन के लिए चल रही पहलों को तेज गति देने के उद्देश्य से शिक्षा जगत और रक्षा उद्योग के बीच सहयोग को बढावा देना है। इस अवसर पर एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें देश में रक्षा क्षेत्र की प्रगति और क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी का दस साल का कार्यकाल स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा: अमित शाह

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

वाराणसी। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने बुधवार शाम को कहा कि नरेन्द्र मोदी को देश का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरा देश संकल्पित है। गृहमंत्री महमूरगंज स्थित मोतीझील में वाराणसी लोकसभा के पांचों विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने काशी से पूरे पूर्वांचल में सियासी समीकरण साधते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रचंड जीत की जिम्मेदारी सौंपी और इसका मंत्र भी दिया। उन्होंने कहा कि बाकी चिंता छोड़ कर बूथ को पकड़ कर हर बूथ में 300 वोट पार्टी के कार्यकर्ताओं को डलवाना है। हर लाभार्थी को पकड़ कर रखना है, काशी में हुए विकास को लोगों को बताना है, 2047 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। इस संकल्प से सबकों जोड़ना है। गृहमंत्री

ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता 542 सांसदों में सबसे बेहतर है। किसी से उनका मुकाबला नहीं है। इतनी व्यस्तता के बावजूद सांसद बनने के बाद वे पचास बार काशी आए हैं। हर बार काशीवासियों के लिए सौगातें लेकर आए हैं। युवाओं से लेकर 100 साल के वरिष्ठ नागरिक सबकी चिंता प्रधानमंत्री को है। गांव में रहने वाली गरीब माताओं से लेकर शहर के युवाओं के भविष्य व देश की सुरक्षा हर पहलू पर प्रधानमंत्री कार्य कर रहे हैं।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 30 साल से मैं विधायक और सांसद रहा हूं, लेकिन मेरे सिर पर कभी भी नरेन्द्र मोदी जितनी जिम्मेदारी नहीं रही। काशी के पिछले दस सालों में हुए विकास कार्यों को विस्तार से गिनाते हुए कहा कि मोदी ने काशी को गौरव दिलाने का कार्य किया है। विश्व की सबसे पुरानी नगरी को आधुनिक नगरी बनाया। बाबा विश्वनाथ के भव्य कॉरिडोर का जिक्र कर कहा कि करोड़ों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए आ चुके हैं। देश में भ्रष्टाचार खत्म करने और परिवारवाद से देश को मुक्ति दिलाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। 2024 के चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी जिन्होंने समग्र देश नहीं समग्र दुनिया में काशी का नाम उज्जवल किया है।

अपनी हार देख लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे मोदी: संजय सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी हार का अंदेशा हो गया है इसलिए वह उल-जूलूल बातें करके लोगों को आपस में बांटने की कोशिश कर रहे हैं। श्री सिंह ने बुधवार को यहाँ दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के पालम में जेल का जवाब वोट से संकल्प सभा में कहा कि देश में चल रही तानाशाही के खिलाफ जन समर्थन मांगने आया हूं। आज दिल्लीवालों का बेटा जेल में हैं। पिछले नौ वर्षों में केजरीवाल ने आपका भाई और आपका बेटा बनकर आपकी सेवा की है। अरविंद केजरीवाल के काम की वजह से ही हम सीना तान कर कहते हैं कि केजरीवाल सरकार ने आपके बच्चों के लिए मुफ़्त शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा, माताओं-बहनों, बेटियों के लिए बस की यात्रा देने का काम किया है।

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिये 100 मीटर लंबा स्टील ब्रिज लॉन्च

अहमदाबाद,एजेंसी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिये गुजरात में नडियाद के पास भारतीय रेलवे की वडोदरा-अहमदाबाद मुख्य लाइन पर 100 मीटर लंबाई का पहला स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि जापानी विशेषज्ञता के साथ भारत मेक-इन-इंडिया विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिये अपनी स्वदेशी तकनीकी और भौतिक क्षमताओं का तेजी से उपयोग कर रहा है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए यह स्टील ब्रिज ऐसे ही उदाहरणों में से एक है। 1486 टन के इस स्टील ब्रिज का निर्माण गुजरात के भुज जिले में स्थित कार्यशाला में किया गया जो ब्रिज लॉन्चिंग साइट से लगभग 310 कि.मी. दूर है। लॉन्चिंग के लिये ब्रिज को ट्रेलरों द्वारा साइट पर ले जाया गया। साइट पर स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 15.5 मीटर की ऊंचाई पर असेंबल किया गया। इसके बाद 63 मीटर लंबाई और लगभग 430 टन वजन की लॉन्चिंग नोज को मुख्य पुल असेंबली के साथ

जोड़ा गया। स्टील ब्रिज को हाई टेंशन स्ट्रैंड्स का उपयोग करके 180 टन की क्षमता वाले दो जैक के स्वचालित तंत्र के साथ खींचा गया। ब्रिज को सावधानीपूर्वक योजना और सटीकता के साथ भारतीय रेलवे लाइनों के पूर्ण यातायात और पावर ब्लॉक के चलते लांच किया गया। टेक्निकल पॉइंट्स- मेंन ब्रिज की लंबाई 100 मीटर, मेंन ब्रिज का वजन 1486 टन, लॉन्चिंग नोज की लंबाई 63 मीटर, लॉन्चिंग नोज का वजन 430 टन, स्टील के प्रत्येक उत्पादन बैच का मैन्युफैक्चरिंग परिसर में अल्ट्रासोनिक परीक्षण द्वारा परीक्षण किया गया। स्टील ब्रिज का निर्माण जापानी इंजीनियर द्वारा तैयार डिजाइन ड्रॉइंग्स के अनुसार कटिंग, ड्रिलिंग, वेल्डिंग और पेंटिंग के उच्च तकनीक और सटीक संचालन द्वारा किया जाता है। कॉन्ट्रैक्टर को अंतरराष्ट्रीय वेल्डिंग विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित वेल्डर और पर्यवेक्षकों को नियुक्त करना अनिवार्य है। प्रत्येक कार्यशाला में, वेल्डिंग प्रक्रिया की मॉनिटरिंग, जापानी अंतरराष्ट्रीय वेल्डिंग विशेषज्ञों द्वारा भी की जाती है। निर्मित स्टील स्ट्रक्चर चेक असेंबली प्रक्रिया से गुजरने के बाद पांच-परत तकनीक का उपयोग करके पेन्ट किया जाता है। स्टील गर्डर्स के लिये अपनायी गयी पेंटिंग तकनीक भारत में अपनी तरह की पहली तकनीक है। यह जापान रोड एसोसिएशन के 'स्टील रोड ब्रिज के संक्षारण संरक्षण के लिए हैंडबुक' की सी-5 पेंटिंग प्रणाली के अनुरूप है। स्टील अलग-अलग हिस्सों को जोड़ने का काम टोर शीयर टाइप हाई स्ट्रेंथ बोल्ट्स (टीटीएचएसबी) का उपयोग करके किया जाता है, जिसका उपयोग भारत में किसी भी रेलवे परियोजना के लिये पहली बार किया जा रहा है। यह स्टील ब्रिज, बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए तैयार किये गये 28 स्टील पुलों में से दूसरा है। पहला स्टील ब्रिज गुजरात के सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर लॉन्च किया गया था। इन स्टील ब्रिज को बनाने में लगभग 70,000 टन निर्दिष्ट स्टील का उपयोग किया जाता है। स्पैन की लंबाई 60 मीटर 'सिंपली सपोर्टेड' से लेकर 130 प्लस 100 मीटर 'कंटीन्यूअस स्पैन' तक होती है। 40 से 45 मीटर तक वाले प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट ब्रिज के विपरीत, स्टील ब्रिज राजमार्गों, एक्सप्रेस-वे और रेलवे लाइनों को पार करने के लिये सबसे उपयुक्त होते हैं, जो नदी पुलों सहित अधिकांश वर्गों के लिये उपयुक्त होते हैं। भारत के पास 100 से 160 कि.मी. प्रति घंटे के बीच चलने वाली भारी ढुलाई और अर्ध उच्च गति वाली ट्रेनों के लिए स्टील ब्रिज बनाने की विशेषज्ञता है। अब, स्टील गर्डर्स के निर्माण में समान विशेषज्ञता एमएएचएसआर कॉरिडोर पर भी लागू की जायेगी, जिसमें 320 कि.मी. प्रति घंटे की परिचालन गति होगी।

नरेंद्र मोदी ने अमीरों के 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर गरीबों का हक मारा: राहुल गांधी

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने उद्योगपतियों का 16 लाख करोड रुपए का कर्ज़ माफ कर गरीबों का हक़ छीना है।

श्री गांधी ने यहां जारी एक बयान में आज कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने अरबपति मित्रों का 1,60,00,00,00,00,000 मतलब 16 लाख करोड़ रुपया कर्ज़ा माफ किया है। उनका कहना था कि इतनी रकम का कर्ज माफ कर श्री मोदी ने देश के करोड़ों गरीबों के हक़ को छीनने का काम किया है। उन्होंने कहा इतने पैसों से 16 करोड़ युवाओं को एक लाख रुपये साल की नौकरी मिल सकती थी और 16 करोड़ महिलाओं को एक लाख रुपये साल देकर उनके परिवारों की जिंदगी

बदली जा सकती थी तथा 10 करोड़ किसान परिवारों का कर्ज़ माफ कर अनगिनत आत्महत्याएं रोकी जा सकती थी। श्री गांधी ने कहा कि इतनी रकम से पूरे देश को 20 वर्षों तक मात्र 400 रू में गैस सिलेंडर दिया जा सकता था और तीन साल तक भारतीय सेना का पूरा खर्च उठाया जा सकता था इसके साथ ही दलित, आदिवासी और पिछड़े समाज के हर युवा की ग्रेजुएशन तक की पढ़ाई मुफ्त की जा सकती थी। उन्होंने कहा जो पैसा 'हिंदुस्तानियों' के दर्द की दवा बन सकता था, उसे 'अडानियों की हवा बनाने में खर्च कर दिया गया। देश नरेंद्र मोदी को इस अपराध के लिए कभी माफ नहीं करेगा। अब हाथ बदलेगा हालात कांग्रेस हर हिंदुस्तानी की प्रगति के लिए सरकार चलाएगी।

ईडी के समन से बचने के मामले में दिल्ली कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को जवाब दाखिल करने का समय दिया

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के समन को नजरअंदाज करने पर जारी समन को चुनौती देने के मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल को जवाब दाखिल करने का समय दिया है। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की ओर से जारी समन के खिलाफ दायर याचिका पर ईडी की ओर से दाखिल जवाब का प्रत्युत्तर देने के लिए समय दिया गया है। स्पेशल जज राकेश स्याल ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई को करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान केजरीवाल की ओर से ईडी के जवाब का प्रत्युत्तर देने के लिए समय देने की मांग की गई, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। कोर्ट ने केजरीवाल को दो हफ्ते से अंदर प्रत्युत्तर दाखिल करने का निर्देश दिया। ईडी ने 30 मार्च को केजरीवाल की ओर से दाखिल याचिका पर अपना जवाब दाखिल किया था। केजरीवाल की गिरफ्तारी से पहले ईडी की शिकायत पर एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने केजरीवाल को समन जारी किया था। केजरीवाल ने सेशंस कोर्ट में इसके खिलाफ अर्जी दायर करते हुए अंतरिम राहत के तौर पर एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट की मांग भी की थी। सेशंस

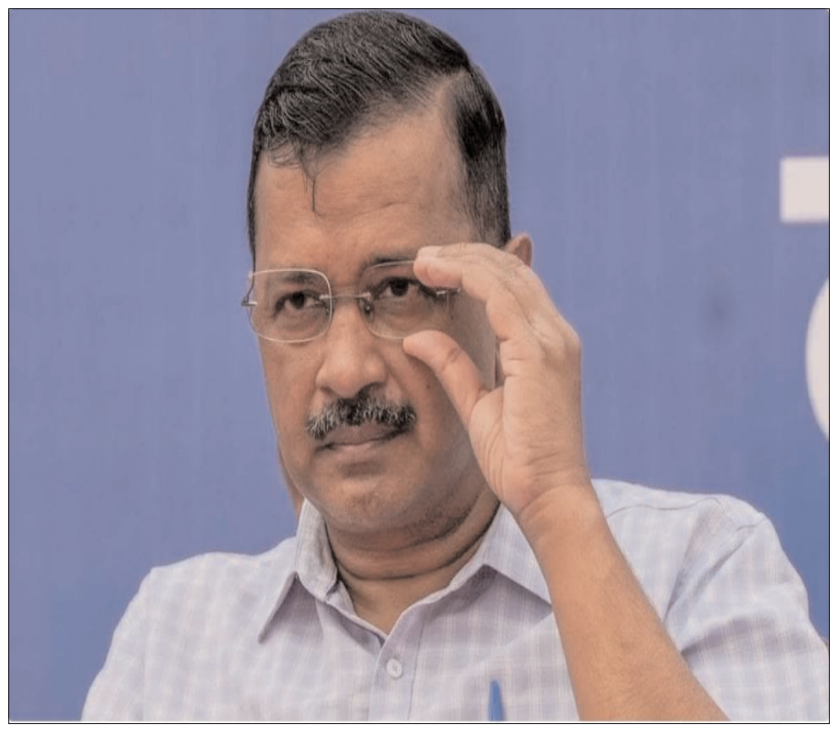

कोर्ट ने अपनी ओर से केजरीवाल को व्यक्तिगत पेशी में छूट से इनकार करते हुए इसके लिए एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में ही अर्जी दाखिल करने को कहा था। हालांकि, एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में चल रही कार्यवाही के खिलाफ केजरीवाल की याचिका को सेशंस कोर्ट ने लंबित रखा था, जो आज सुनवाई के लिए लिस्ट हुई थी। एडिशनल मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा की कोर्ट ने केजरीवाल को 16 मार्च को पेश होने का निर्देश दिया था। इसी आदेश को केजरीवाल ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ दो शिकायतें की थी।

बता दें, दिल्ली हाईकोर्ट से अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तारी से संरक्षण नहीं मिलने के बाद ईडी ने 21 मार्च को देर शाम पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 27 मार्च को भी हाईकोर्ट ने केजरीवाल को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया था। केजरीवाल फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। के कविता की नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित: राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के कविता की नियमित जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने 6 मई को फैसला सुनाने का आदेश दिया। 8 अप्रैल को कोर्ट ने के कविता की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दिया था। अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि मनी लांड्रिंग के मामले में के कविता को महिला होने की वजह से जमानत देने में किसी तरह की रियायत नहीं दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान के कविता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने ईडी पर आरोप लगाया था कि वो जांच एजेंसी नहीं बल्कि प्रताड़ित करने वाली एजेंसी बन गई है।

दिल्ली में कांग्रेस को झटका, शीला सरकार में मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने दिया इस्तीफा

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे राजकुमार चौहान ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। राजकुमार चौहान उत्तर पश्चिमी दिल्ली से टिकट के दावेदार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिला। यहां से उदित राज को टिकट दिया गया है। वहीं, बताया जा रहा है कि प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया ने बैठक में उनके साथ अभद्रता की थी, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। राजकुमार चौहान ने दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा, मेरे पिता और दादा एवं पूरा परिवार कांग्रेस से जुड़ा हुआ है।

आप के द्वारा एक मीटिंग पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर पर बुलाई गई थी। मीटिंग को दफ्तर से कैंसल कर दीपक बावरिया जनरल सेक्रेटरी इंचार्ज (दिल्ली) के ऑफिस में बुलाई गई। उस मीटिंग में 20-25 वरिष्ठ कांग्रेस नेता मौजूद थे। मैंने जैसे ही अपनी बात शुरू की तो जनरल सेक्रेटरी ने मीटिंग से बाहर जाने के लिए चार-पांच बार कहा। फिर भी तब मैंने अपनी बात कही। यह बात मैंने बंद कमरे में चल रही मीटिंग में कही थी। ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ नहीं है। यह हमारी पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र है जहां हम अपनी भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं। मैं चार बार विधायक रहा हूं और तीन बार मंत्री रहा हूं। मैंने

हमेशा पार्टी के अनुशासन में रह कर काम करता रहा हूं, हो सकता कि मेरी भावनाएं आहत होने की वजह से ऐसे शब्द निकल गए हों जिससे कि आपकी भावनाएं आहत हुई हो तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरा मकसद ये कभी नही हो सकता कि मेरी वजह से कांग्रेस को नुकसान हो। चुनाव का समय है। जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी दिन-रात पार्टी की मजबूती के लिए मेहनत कर रहे हैं, मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकता कि पार्टी को किसी तरह का नुकसान हो। मैं दलित समाज से हूं। जिस समाज के लिए चाहे आजादी से पहले या बाद में हो, हमेशा कांग्रेस दलित समाज के लिए चट्टान की तरह खड़ी रही है। मैं उन सब बातों का आदर करते हुए जो निर्णय आप लेगें, मैं उसे सहस स्वीकार करूंगा।

संगम विहार में छह वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के संगम विहार इलाके में छह वर्षीय बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। दरअसल, ट्यूशन पढ़ने गई बच्ची के साथ ट्यूशन टीचर के बेटे ने गलत हरकत की। दक्षिण दिल्ली जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे थाना संगम विहार में घटना के संबंध में पीसीआर कॉल मिली थी।

महिला कॉलर ने बताया कि उसकी बेटी ट्यूशन के लिए गई थी, जहां ट्यूशन टीचर के बेटे ने उसके साथ गलत हरकत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए शिकायतकर्ता महिला के बयान पर आरोपी को गिरफ्तार कर और आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, एक अन्य मामले में महिला ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर दिल्ली के पश्चिमी जिले की पुलिस अलर्ट मोड पर है। इसी क्रम में नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ने महिला ड्रग पेडलर का नाम संजू उर्फ विजेंद्र को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ करीब 12 मामले दर्ज पाए गए हैं। साथ ही उसके पास से 30 ग्राम हेरोइन भी बरामद की गई है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि आरोपी को पकड़ने के लिए टीम बनाई गई और इंदरपुरी जेजे कॉलोनी इलाके से महिला को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। साथ ही आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मिले सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की, जो करीब 30 मिनट चली। भारद्वाज ने कहा कि केजरीवाल ने जनता से कहा है कि उनकी चिंता न करे।

भारद्वाज ने कहा कि वह 'मुलाकात जंगले' में केजरीवाल से मिले और उनके बीच इंटरकॉम पर बातचीत हुई। दिल्ली सरकार में मंत्री भारद्वाज ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया, मेरी 'मुलाकात जंगले' में आधे घंटे की मुलाकात हुई। केजरीवाल ने कहा कि लोग उनकी चिंता न करें। उन्होंने (केजरीवाल) कहा कि वह मजबूत हैं और दिल्ली की जनता के आशीर्वाद के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। 'मुलाकात जंगला' एक लोहे की जाली होती है, जो जेल के अंदर एक कमरे में कैदी को आगंतुक से अलग करती है। एक आगंतुक और एक कैदी जाली के अलग-अलग किनारों पर बैठकर एक दूसरे से बात कर सकते हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के मामले में 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। हालांकि केजरीवाल ने पद

नहीं छोड़ा है। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाना जारी रखेंगे। इससे पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी 'आप' के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने 15 अप्रैल को तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात की थी। पाठक ने मुलाकात के बाद संवाददाताओं को बताया था कि केजरीवाल हर सप्ताह दो मंत्रियों से मुलाकात करेंगे और संबंधित विभागों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। केजरीवाल ने गिरफ्तार होने के बाद अपने मंत्रियों को पानी की आपूर्ति और सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता जैसे मुद्दों के समाधान के लिए संदेश भेजा था। उन्होंने पार्टी विधायकों से अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और वहां के लोगों की मदद करने को भी कहा था।

दिल्ली में कई जगहों पर हिंदू सेना ने कांग्रेस की आलोचना वाले पोस्टर लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हर तरफ कड़ी नजर रखी जा रही है। हिंदू सेना ने एक बार फिर नई दिल्ली के अकबर रोड समेत विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस की आलोचना वाले पोस्टर लगाए हैं। हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने खुद शहर में अकबर रोड और मानसिंह चौराहे सहित दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस के खिलाफ बड़े-बड़े बोर्ड और होर्डिंग लगवाए हैं। विष्णु गुप्ता ने कहा कि आज हिंदू सेना ने दिल्ली के अकबर रोड पर कांग्रेस के खिलाफ बोर्ड लगाए हैं। कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री कहते थे, इस देश के संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार मुसलमानों का है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि सबका साथ सबका विकास और हिंदू विरोधियों का विनाश। उन्होंने कहा कि यह देश कानून के हिसाब से चलता है, यहां सभी लोग बराबर हैं। जिस समय देश में कांग्रेस की सरकार थी। उस समय डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में सांप्रदायिक हिंसा बिल लाया गया। उसमें साफ कहा गया था कि दंगा करने वाला हिंदू ही होता है। यदि कांग्रेस की सरकार होती तो सांप्रदायिक हिंसा बिल तैयार हो गया होता और दिल्ली दंगों में कानून के हिसाब से नहीं, सांप्रदायिक हिंसा के हिसाब से न्याय होता और हिंदू जेल में होते।

निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर लोहे की ग्रिल से लटका मिला व्यक्ति का शव

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर एक व्यक्ति का शव लोहे की ग्रिल से लटका हुआ मिला। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लगता है, हालांकि जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, मोती नगर इलाके में एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर लोहे की ग्रिल से लटकते शव को एक राहगीर ने देखा। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, अपराध और फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। हम सभी एंगल से घटना की जांच कर रहे हैं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तमिलनाडु के कई किसानों ने मोबाइल टावर पर चढ़ने का प्रयास किया

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तमिलनाडु के कई किसानों ने मोबाइल टावर पर चढ़ने का प्रयास किया। इनमें एक महिला भी शामिल थी। फसलों की उचित कीमत, नदियों को जोड़ने आदि मुद्दे पर प्रदर्शन के लिए किसान दिल्ली आए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु के सैकड़ों किसान जंतर-मंतर पर एकत्र हुए, जिनमें से कुछ ने पास के पेड़ों और एक मोबाइल टावर पर चढ़ने की कोशिश की। पुलिस ने कहा कि उसने मोबाइल टावर पर चढ़े एक प्रदर्शनकारी किसान को उतारने के लिए दमकल की क्रेन का भी इस्तेमाल किया। नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त देवेश कुमार महला ने बताया, लगभग 50 लोग नदियों को जोड़ने के मुद्दे को लेकर यहां प्रदर्शन के लिए पहुंचे थे। उनमें से दो ने मोबाइल टावर पर चढ़ने की कोशिश की, हालांकि बाद में वे नीचे उतर आए। प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि तमिलनाडु के लगभग 100 किसान इस प्रदर्शन में शामिल हुए। किसानों ने कहा कि वे कृषि उपज से अपनी आय दोगुनी करने, पांच हजार रुपये की पेंशन, व्यक्तिगत बीमा और भारत में सभी नदियों को जोड़ने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे वाराणसी सीट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें फोन पर किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद वे 'स्काई लिफ्ट' लेकर वहां पहुंचे और किसानों को मोबाइल टावर से नीचे उतारा।

दिल्ली के छावला में आंधी के दौरान बिजली का करंट लगने से नाबालिग की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में 12 वर्षीय एक लड़के की बिजली के खंभे के संपर्क में आकर करंट लगने से मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। राजधानी में बीती शाम आंधी आयी थी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान कैफ मोहम्मद के रूप में हुई है जो मंगलवार शाम को घटना के वक्त

छावला इलाके के खैरा गांव में अपने घर के बाहर था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में धूल भरी आंधी के दौरान वह एक बिजली के खंभे के संपर्क में आ गया और उसे करंट लग गया। अधिकारी ने बताया कि नाबालिग को आनन-फानन में आरटीआरएम अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि जिला अपराध शाखा का दल और बिजली विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का मुआयना किया और छावला थाने में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

कांग्रेस के मेनिफेस्टो के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। कांग्रेस के मेनिफेस्टो को लेकर भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। दिल्ली में बीजेपी महिला मोर्चा ने जैसलमेर हाउस से लेकर अकबर रोड तक बुधवार को मार्च निकाला और कांग्रेस के पार्टी मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष और अन्य नेता मौजूद रहे।

महिला मोर्चा ने हाथों में बड़े-बड़े बैनर पोस्टर ले रखे थे जिसमें लिखा था -- कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के विरोध में प्रदर्शन। महिलाओं के बैनर पोस्टर में यह भी लिखा था -- महिलाओं को मंगलसूत्र बचाना है और कांग्रेस को हराना है। इस प्रदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की सदस्य जैसलमेर हाउस से मार्च करते हुए अकबर रोड में कांग्रेस मुख्यालय के पास पहुंच गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, कांग्रेस के घोषणापत्र में स्त्री धन पर जो हमला है वह सीधे-सीधे देश के बहुसंख्यक समाज पर हमला है। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि उन्होंने अपने घोषणापत्र में लिखा है कि वे अगर सत्ता में आएंगे तो देश का आर्थिक सर्वे कराएंगे। वे इस संपत्ति को किसे बांटना चाहते हैं? इस देश में हिंदू होना क्या गुनाह है? इनके मंगलसूत्र और गहने छीनकर कांग्रेस किसे देना चाहती है, राहुल गांधी

इसका जवाब दें। महिला मोर्चा का यह प्रदर्शन जैसलमेर हाउस मान सिंह रोड से करीब 11:30 बजे शुरू हुआ। इस प्रदर्शन को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस ने दो बैरिकेडिंग की हुई थी जिसमें से एक बैरिकेडिंग को प्रदर्शनकारियों ने तोड़ दिया और आगे बढ़ गए। कांग्रेस मुख्यालय से कुछ पहले ही पुलिस ने दूसरी बैरिकेडिंग की थी। जहां पर दिल्ली पुलिस ने सभी को रोक लिया और प्रदर्शन के बाद उन्हें डिटेन कर लिया गया। महिला मोर्चा का ये प्रदर्शन तकरीबन 1 बजे तक चलता रहा।

कांग्रेस दफ्तर पर भाजपा का प्रदर्शन, राहुल गांधी पर देश को तोड़ने की कोशिश करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई ने बुधवार को यहां कांग्रेस पार्टी मुख्यालय के निकट प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत को तोड़ने की राजनीति कर रहे हैं।

भाजपा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र देश की संस्कृति को 'अपमानित' करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के कई नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी के घोषणापत्र से तुष्टीकरण की बू आ रही है और अगर वह (कांग्रेस) सत्ता में आती है तो लोगों की संपत्ति का पुनर्वितरण करेगी और एससी, एसटी तथा ओबीसी समुदायों को दिये जाने वाले आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण देगी। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा महिला मोर्चा की दिल्ली इकाई की

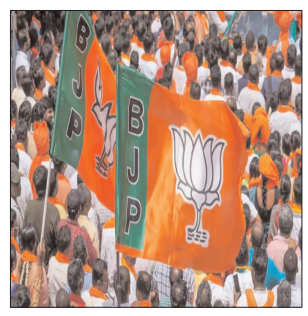

अध्यक्ष ऋचा पांडे सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। चुघ ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं की संपत्ति और आभूषण छीनकर अल्पसंख्यकों को देने की साजिश रची गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का घोषणापत्र देश की संस्कृति का 'अपमान' है और राहुल भारत को तोड़ने की राजनीति कर रहे हैं। सचदेवा ने कहा, कांग्रेस का घोषणापत्र तुष्टीकरण से भरा हुआ है और यह देश को कमजोर करेगा।

सफदरजंग अस्पताल में हुआ स्तन कैंसर जांच और जागरूकता शिविर का आयोजन

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। स्तन कैंसर से निपटने के उद्देश्य से एक शक्तिशाली सहयोग में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल ने, मुफ्त स्तन कैंसर जांच और जागरूकता का आयोजन करने के लिए प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) रेस्पेक्ट इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। 22 अप्रैल, 2024 को यह शिविर सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम को नई दिल्ली के वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रोली सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा, भारत में स्तन कैंसर एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है। इस शिविर जैसी पहल के माध्यम से, हमारा लक्ष्य महिलाओं को ज्ञान के साथ सशक्त बनाना और उन्हें सुलभ स्क्रीनिंग सुविधाएं प्रदान करना है। उपचार के परिणामों में सुधार और बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए प्रारंभिक पहचान महत्वपूर्ण है। नियमित रूप से स्तन कैंसर के खिलाफ हमारी लड़ाई में स्क्रीनिंग और जागरूकता

प्रमुख हथियार हैं। इस तरह के शिविर बीमारी को उजागर करने और महिलाओं को वित्तीय बाधाओं के बिना अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में विशेष अतिथि के रूप में रेस्पेक्ट इंडिया के महासचिव डॉ. मनीष चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति का भी स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल के साथ हमारा सहयोग महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हम अपनी साझेदारी को और मजबूत करने और ऐसी पहलों की पहुंच का विस्तार करने के लिए तत्पर हैं। वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार के नेतृत्व में आयोजित इस सहयोगात्मक प्रयास का उद्देश्य स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना और शीघ्र पता लगाने के लिए मुफ्त जांच सुविधाएं प्रदान करना है, जो प्रभावी उपचार और बेहतर जीवित रहने की दर में एक महत्वपूर्ण कारक है। डॉ. वंदना तलवार ने कहा, स्तन कैंसर भारत में महिलाओं में कैंसर के सबसे प्रचलित रूपों में से एक है। नियमित स्क्रीनिंग के माध्यम से शीघ्र पता लगाने से अनगिनत लोगों की जान बचाने में गहरा अंतर आ सकता है। हमने सभी महिलाओं को इस अवसर का लाभ उठाने और इस शिविर में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया। स्तन कैंसर के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रहने वाला एक समर्पित गैर सरकारी संगठन, रिस्पेक्ट इंडिया जागरूकता बढ़ाने, सहायता प्रदान करने और नियमित जांच को बढ़ावा देने की दिशा में अथक प्रयास कर रहा है। इस उद्देश्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें अपने संगठन की सीमाओं से परे और विभिन्न चिकित्सा शिविरों के माध्यम से समुदायों के दिल में पहुंचा दिया, जिसका उद्देश्य आम जनता को गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों के प्रति संवेदनशील बनाना था। नि:शुल्क स्तन कैंसर जांच और जागरूकता शिविर में उपस्थित लोगों को नि:शुल्क स्तन कैंसर परीक्षण की पेशकश की गई। रेस्पेक्ट इंडिया ने महिलाओं को ज्ञान और समर्थन के साथ सशक्त बनाने के लिए शैक्षिक संसाधन और परामर्श सेवाएँ भी प्रदान कीं।

एक नजर

कड़कड़डूमा कोर्ट से भगोड़ा घोषित आरोपी पांच साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा जिले के मानसरोवर पार्क थाने की पुलिस ने फरार आरोपी अमृत को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नंद नगरी का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि आरोपी को कड़कड़डूमा कोर्ट ने साल 2019 में भगोड़ा घोषित कर दिया था, जिसे पांच साल बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शाहदरा जि?ला पुलि?स उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि दि?ल्ली की अदालत से घोषित अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया गया है। इसी क्रम में साल 2017 में एक्साइज मामले में अमृत के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसकी सुनवाई कड़कड़डूमा कोर्ट में चल रही थी, लेकिन आरोपी अमृत फरार चल रहा था। इसके बाद कोर्ट ने 23 दिसंबर 2019 को उसे फरार घोषित कर दिया। इसी तलाश के दौरान एमएस पार्क थाना एसएचओ के नेतृत्व में एएसआई रिंकू सिंह और कांस्टेबल अजीत सिंह की गठित टीम को आरोपी अमृत के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। इसके तहत योजना तैयार की गई और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। उधर, जीटीबी एन्क्लेव थाना एसएचओ के नेतृत्व में गठित टीम के हेड कांस्टेईबल गजेंद्र कुमार और सचिन ने बीते दिनों एक गोपनीय सूचना के आधार पर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने 28 सितंबर, 2022 के आदेश में सीलमपुर निवासी शहनवाज (24) को भगोड़ा घोषित किया था। वहीं, शाहदरा कोर्ट ने 28 सितंबर, 2022 के आदेश में बरेली निवासी मकसूर को भी भगोड़ा घोषित किया था।

समाजसेवी माया जायसवाल की स्मृति में भंडारा

नई दिल्ली। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रमुख समाजसेवी स्वर्गीय श्रीमती माया जायसवाल की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर विशाल भंडारे का आयोजन स्कूल ब्लॉक शकरपुर में किया गया। भंडारे की आयोजन करता स्वर्गीय श्रीमती माया जायसवाल के पति वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार जायसवाल ने इस अवसर पर स्वर्गीय श्रीमती माया जायसवाल का स्मरण करते हुए बताया कि व्यक्ति के केवल सत्कर्म ही याद किए जाते हैं इसलिए मानव को जीवन में सदैव परोपकार करते रहना चाहिए। स्वर्गीय श्री माया जायसवाल ने जीवन भर लोगों की भलाई की बात करें वह एक अच्छी बेटी, अच्छी पत्नी अच्छी मां होने के साथ-साथ एक अच्छी सोच वाली महिला थी उन्हें हम सदैव याद करेंगे। उनकी बेटी करिश्मा जायसवाल ने कहा मां की कमी महसूस होती है जिसे पूरा नहीं किया जा सकता परंतु मेरी मां एक अच्छी व्यक्तित्व की धनी थी इसलिए हमें अपनी मां पर गर्व है। इस मौके पर हिंदू मुस्लिम सिख इसाई एकता कमेटी के संगठन सचिव एवं पीस कमेटी दिल्ली सरकार के सदस्य एडवोकेट हरीश गोला में भंडारे में शामिल हुए और उन्होंने कहा अच्छे लोगों को समाज याद रखता है और वह हमारे प्रेरणा बन जाते हैं स्वर्गीय श्रीमती माया जायसवाल के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्होंने भंडारे का आयोजन करने वाले उनके पति राजकुमार जयसवाल परिवार व उनके अन्य साथी साथियों की प्रशंसा करी। उनके परिवारजनों में सैनी जायसवाल, शेंकी भाई, वरुण गुप्ता, आदर्श तिवारी, जतिन गुप्ता क्षेत्रीय आर डब्लू ए के पदाधिकारीगण व प्रमुख समाजसेवी सहित कई महानुभाव ने भंडारे में शामिल होकर प्रसाद वितरित किया।

महामाया-चिल्ला व डीएनडी लूप पर कैमरों से होगी निगरानी

नोएडा। महामाया से चिल्ला बॉर्डर तक नोएडा-दिल्ली लिंक रोड व डीएनडी के सभी लूप पर इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएम) के तहत कैमरे लगाए जाएंगे। नोएडा-दिल्ली के बीच इन मार्गों पर रोजाना करीब 25 लाख से अधिक वाहनों की आवाजाही होती है। इस कारण ट्रैफिक को नियंत्रित करना भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसे दूर करने के लिए ट्रैफिक विभाग ने 20 स्थानों को चिन्हित कर करीब 100 सीसीटीवी कैमरे लगाने का प्रस्ताव प्राधिकरण को भेजा था, अब इस पर काम शुरू कर दिया गया है। दरअसल, नोएडा ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों ने महामाया से चिल्ला बॉर्डर तक करीब चार किलोमीटर के टुकड़े को सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में लेने के लिए प्रस्ताव भेजा था। सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद इसे आईएसटीएमएस से जोड़ दिया जाएगा। जिसके बाद चिल्ला बॉर्डर से एक्सप्रेसवे तक सेक्टर-94 स्थित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम से ट्रैफिक की बेहतर निगरानी की जा सकेगी। इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए जाम की समस्या भी दूर हो जाएगी। ट्रैफिक विभाग ने नोएडा प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजकर इन मार्गों पर बेहतर ट्रैफिक व्यवस्था की बेहतर निगरानी के साथ सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उच्च क्षमता वाले नंबर प्लेट रीड (एनपीआर) कैमरे, सर्विलांस कैमरे समेत उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रस्ताव भेजा था। नोएडा प्राधिकरण की ट्रैफिक सेल ने इस प्रस्ताव को मंजूर कर इस पर काम शुरू कर दिया है। आईएसटीएमएस में तैनात अधिकारियों के मुताबिक, इस मार्ग पर अभी सिर्फ महामाया फ्लाईओवर और चिल्ला बॉर्डर पर ही सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। इस वजह से इन दोनों प्वाइंट के बीच जाम लगने पर इसकी मॉनिटरिंग नहीं हो पा रही है। सीसीटीवी कैमरे लगने से व्यवस्था में सुधार आएगा। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव का कहना है कि महामाया से चिल्ला बॉर्डर और डीएनडी के सभी लूपों पर कुल 20 स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं।

लोकसभा चुनाव 2024: दिल्ली के उपराज्यपाल ने केरल में चर्च प्रमुखों से की मुलाकात

नई दिल्ली,एजेंसी। केरल में बूथों पर जाने से कुछ घंटे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने कोच्चि में सायरो मालाबार चर्च के मेजर आर्कबिशप राफेल थैटिल से मुलाकात की। बैठक कक्कनाड सेंट थॉमस माउंट में हुई, जो एक घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक के लिए उपराज्यपाल मंगलवार रात ही कोच्चि पहुंच गए थे।

एलजी सक्सेना केरल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उनकी यात्रा पूर्व नियोजित और सूचित थी। ईटीवी भारत को एक चर्च प्रतिनिधि ने बताया कि उपराज्यपाल ने हमसे मिलने की अनुमति मांगी और हमने अनुमति दे दी। इससे परे इसमें कोई राजनीतिक महत्व नहीं है। मालाबार चर्च के प्रमुख के साथ बैठक के बाद एलजी ने कोट्टायम के देवलोकम में मलंकारा ऑर्थोडॉक्स सीरियन चर्च ऑफ इंडिया के सर्वोच्च प्रमुख बेसिलियोस मार्थोमा मैथ्यूज द्वितीय से भी मुलाकात की। यहां उनकी तिरुवल्ला में बिलीवर्स चर्च मेडिकल कॉलेज के एक कार्यक्रम में भाग लेने की योजना है। जो पथानामथिट्टा एलएस निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है। एलजी सक्सेना बिलीवर्स चर्च मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आपातकालीन विभाग उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह के संबंध में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। वह तिरुवल्ला में मेट्रोपॉलिटन अथानासियस योहान के साथ मंच साझा करेंगे। इस बीच राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने संकेत दिया कि उपराज्यपाल ने त्रिशूर और पथानामथिट्टा सहित निर्वाचन क्षेत्रों में विभिन्न चर्च प्रमुखों से मदद मांगने के लिए मुलाकात की। वहीं, लैटिन चर्च अक्सर अपनी राजनीतिक स्थिति की घोषणा करता है। इस बार उन्होंने घोषणा की कि वे अपना समतापूर्ण रुख जारी रखेंगे और उन लोगों के खिलाफ वोट देंगे, जो देश के बुनियादी मूल्यों पर सवाल उठा रहे हैं। काफी समय से बीजेपी साइरो का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। मालाबार चर्च, जिसके मध्य केरल और अन्य राज्यों में महाधर्मप्रांत हैं। ऐसे में दिल्ली के उपराज्यपाल की सेंट थॉमस माउंट यात्रा को भी इसी के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है।

जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है हर्ष मल्होत्रा को: संदीप कपूर

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से विजयी होंगे हर्ष मल्होत्रा, ऐसा कहना है कृष्णा नगर वार्ड के निगम पार्षद संदीप कपूर का। पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के चुनाव पर बात करते हुए संदीप कपूर ने कहा की हर्ष मल्होत्रा जमीन से जुड़े नेता है, पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में हर्ष मल्होत्रा जहां भी प्रचार के लिए जा रहे है हर्ष मल्होत्रा को जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

पूर्वी दिल्ली की जनता भाजपा प्रत्याशी हर्ष मल्होत्रा के दृष्टिकोण से बहुत प्रभावित हो रही है। संदीप कपूर ने आगे कहा की पूर्वी दिल्ली की जनता को पूर्ण विश्वास हो गया है की हर्ष मल्होत्रा पूरे लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए सच्चे दिल से प्रयासरत है और जनता के इस विश्वास का कारण है हर्ष मल्होत्रा का ईमानदार और सच्चा व्यक्तित्व। संदीप कपूर ने आगे कहा की अगर हम पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट के जातीय समीकरण से भी देखे तो भी हर्ष मल्होत्रा एक मजबूत प्रत्याशी दिखाई देते है। संदीप कपूर ने आगे कहा की पूर्वी दिल्ली के विकास के लिए जो मुद्दे हर्ष मल्होत्रा ने चुने है वह भी अच्छे है, इन मुद्दों का सीधा लाभ पूर्वी दिल्ली के लोकसभा क्षेत्र की जनता को मिलेगा चाहे वह गाजीपुर लैंडफिल से कूड़े के पहाड़ को कम करना हो या यमुना नदी की साफ सफाई का कार्य करवाना हो या फिर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली झुग्गियों को हटा कर उन लोगों के लिए मकान बनवाना हो, सभी मुद्दे बुनियादी है। संदीप कपूर ने आगे कहा की इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है की पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से हर्ष मल्होत्रा ही चुनाव जीतेंगे।

जेएनयू कुलपति के छात्रों को मुफ्तखोर कहने पर एबीवीपी ने भी जताई आपत्ति

शोएब आलम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलीपुड़ी पंडित द्वारा जेएनयू छात्रों को एक समाचार एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू में मुफ्तखोर कहने पर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। जेएनयू छात्रसंघ की आपत्ति के बाद अब जेएनयू की विद्यार्थी परिषद इकाई ने भी उनके बयान की निंदा की है। विश्वविद्यालय की विद्यार्थी परिषद इकाई के अध्यक्ष राजेश्वरकांत दुबे ने कहा कि जेएनयू के छात्र टाइम्स और क्यूएस जैसे वैश्विक शैक्षणिक सूचकांकों में अग्रणी रैंक हासिल कर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। साथ ही वह शैक्षणिक ताकत को समृद्ध करने में योगदान भी दे रहे हैं।

जेएनयू के छात्रों को %मुफ्तखोर% कहना नैतिक रूप से गलत है। वीसी की टिप्पणी जेएनयू के छात्र न केवल संवेदनहीन हैं, बल्कि एक संस्थान के रूप में जेएनयू की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का एक गंदा प्रयास है। उन्हें छात्रों के प्रति अपनी जिम्मेदारी के बारे में पता होना चाहिए। अभिभावक होने के नाते ऐसी टिप्पणियां नैतिक रूप से निराशाजनक हैं और एबीवीपी जेएनयू इनकी निंदा करती है। जेएनयू वीसी की ऐसी गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियों का भी विरोध करती है। बता दें कि जेएनयू की कुलपति शुरू से ही जेएनयू परिसर के छात्रावास में अपनी पढ़ाई का समय पूरा होने के बाद भी छात्रों के रुकने को लेकर आपत्ति जताती रही हैं। उन्होंने छात्रावास प्रमुखों को सख्त निर्देश दे रखे हैं कि कोई भी छात्र 5 साल से ज्यादा छात्रावास में नहीं रहना चाहिए। पढ़ाई पूरी होने के बाद किसी भी छात्र को छात्रावास में रहने की अनुमति नहीं है और इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। वह बयान देकर पहले भी विवादों में आ चुकी हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि जेएनयू में आकर लोग अपनी नौकरी और यूपीएससी की तैयारी में लग जाते हैं। यहां पढ़ाई पूरी होने के बाद भी एक-दो साल तक लोग छात्रावास के कमरों को खाली नहीं करते हैं और निजी हित में जेएनयू के संसाधन का दुरुपयोग करते हैं। इतना ही नहीं, वे बिना अनुमति के अपने अतिथियों को भी बुलाते हैं, जो यहां रुकते भी हैं। हम कमरों में जाकर जांच नहीं कर सकते। लेकिन, हम बाहर से ही इन सब चीजों पर निगरानी बढ़ाकर और आईकार्ड को अनिवार्य कर जेएनयू में मुफ्तखोरी को रोकने का काम करेंगे।

देहदान के प्रति जागरूकता हेतु राम लाल आनंद महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय में देहदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दधीचि देह दान समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो योगेश सिंह के आह्वान पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दधिचि देहदान समिति के संयुक्त सचिव डॉ. विशाल चड्ढा, दिल्ली विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक डॉ. नरेंद्र कुमार बिश्नोई, एनएसएस क्षेत्रीय समन्वयक दिल्ली श्रवण राम, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी समन्वयक मेजर प्रो. संजय कुमार शर्मा और डॉ. अनुराग शर्मा मौजूद रहे।

कार्यक्रम में देहदान समिति से डॉ. विशाल चड्ढा ने देहदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के कॉर्निया से चार लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है। ब्रेन-डेड हुए व्यक्ति के आठ अंग और कार्डियेक अरेस्ट के कारण मृत व्यक्ति के तीन अंग का इस्तेमाल, किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के लिए किया जा सकता है। इस कार्य से किसी की जान बचाई जा सकती है। एक मेडिकल स्टूडेंट के लिए मृत शरीर पर पढ़ाई करना ही उसकी जीविकोपार्जन है। देहदान के बहुत सारे फायदे हैं इसलिए हमें समाज में देहदान को सकारात्मक रूप से बढ़ावा देना चाहिए। देहदान के प्रचार-प्रसार में एनएसएस और एनसीसी वॉलिंटियर्स का एक अहम योगदान है। समाज में देहदान के प्रति झिझक तोड़ने के लिए युवा शक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डीयू के एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक, डॉ. नरेंद्र बिश्नोई ने विश्वविद्यालय में एनएसएस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह बताया कि कैसे एनएसएस की मदद से हम समाज में एक व्यवहारिक बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स में एनएसएस के समन्वयक श्रवण राम ने बताया कि एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपति सम्मान, रिपब्लिक डे कैंप और विदेश जाने का मौका मिलता है, जिसके जरिये आप अपना समग्र विकास कर सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर प्रो. संजय शर्मा ने स्वागत भाषण से की। उन्होंने मानव शरीर की महत्ता पर प्रकाश डाला और देहदान पर अपने विचार रखे।

दिव्यांग छात्रों के लिए आईआईटी दिल्ली ने की पहल, ब्रेल साइनेज, पोर्टेबल शौचालय जैसी शुरू की तमाम व्यवस्थाएं

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली ने दिव्यांग छात्रों के लिए नई सुविधाएं तैयार की है, जो शैक्षणिक आवास, परिवहन, बुनियादी ढांचे और पढ़ाई से जुड़ी है। कक्षाओं में रैंप, लिफ्टों में ब्रेल साइनेज, ब्रेल नेम प्लेट की व्यवस्था कराई गई है। साथ ही परिसर में भी रैंप बनाए गए हैं। यह सुविधा सुलभ शिक्षा कार्यालय (विविधता और समावेशन कार्यालय) द्वारा किया गया है।

शैक्षणिक क्षेत्र में मुख्य प्रशासनिक भवन में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक पोर्टेबल शौचालय की भी सुविधा दी गई है। साथ ही अन्य शैक्षणिक ब्लॉकों में भी शौचालय बनाए गए हैं। वहीं, आईआईटी परिसर के पास दिव्यांग छात्रों के परिवहन के लिए एक सुलभ ई-कार्ट की भी व्यवस्था की गई है। दिव्यांग छात्रों के लिए ऊंची टेबल और व्हीलचेयर लगाया गया है, ताकि प्रयोगशाला में किसी तरह से कोई परेशानी न हो। इसके अलावा दिव्यांग छात्रों को कम दृष्टि वाले मैग्निफायर, श्रवण यंत्र, केआईबीओ पढ़ने और लिखने वाले उपकरण, ब्रेल एम्बॉसर्स, लैपटॉप, सुलभ कीबोर्ड ट्रे और इलेक्ट्रिक/एलिवेटेड व्हीलचेयर जैसे सहायक उपकरण दिए गए हैं।

सुगम्य शिक्षा कार्यालय के संकाय सलाहकार प्रोफेसर विक्रम सिंह ने कहा कि आईआईटी दिल्ली में हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हम एक समावेशी वातावरण प्रदान करें। ताकि कोई भी छात्र अपनी दिव्यांगता के कारण परिसर में किसी भी शैक्षणिक गतिविधियों में हाशिए पर न रह जाए। वहीं, दिव्यांगता से ग्रस्त बीटेक छात्र रवीश झा ने कहा कि मैं वास्तव में आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रदान किए जाने वाले समावेशी वातावरण से प्रभावित हूं। यहां के लोग वास्तव में सहयोगी और मददगार हैं और उन्होंने मुझे यहां अपनेपन का एहसास दिलाने में मदद की है। एक अन्य दिव्यांग बीटेक छात्र गोपाल साहा ने कहा कि कैंपस की गति और शिक्षा के साथ अब हम एक बड़े परिवार की तरह हैं। आईआईटी दिल्ली ने दिव्यांग छात्रों के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी ध्यान रखा है। आईआईटी छात्रों को निखारने के लिए हर साल सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। जिसमें संगीत, नाटक, फोटोग्राफी, पेंटिंग, डांस, कविता जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में लोग हिस्सा लेते है। जहां जीतने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार, अवार्ड से सम्मानित किया जाता है।

हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन

नई दिल्ली। हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर निकाली गई हनुमान जी की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया बाबरपुर रोड की मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन एवं रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर बाबरपुर रोड पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा जिसका दृश्य अद्भुत था एवं देखते ही बन रहा था। शोभा यात्रा के भव्य स्वागत के लिए बाबरपुर रोड पर जगह जगह पंडाल लगाए गए थे, चारों ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से भगवान श्री राम एवं हनुमान जी के मधुर गीत एवं भजनों की आवाज आ रही थी, हर दुकान की छत पर श्री राम भगवान के झंडे लहरा रहे थे, ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो शोभा यात्रा में मौजूद हर एक इंसान भगवान श्री राम और हनुमान जी की भक्ति में लीन हो गया हो। हनुमान जी की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन से अध्यक्ष अजीत अग्रवाल, आरडब्ल्यूए सुपर वेलफेयर काउंसिल के अध्यक्ष संजीव शर्मा, मदनजीत सिंह वालिया, प्रदीप कुमार ने किया।

फैक्टरी में आग से लाखों का सामान जला

नोएडा। सेक्टर-63 स्थित फैक्टरी में मंगलवार रात करीब एक बजे आग लग गई। दमकल की आठ गाड़ियों की मदद से आग पर करीब छह घंटे में काबू पाया गया। हादसे में लाखों रुपये का सामान और मशीनें जल गईं। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि मंगलवार रात 12 बजकर 54 मिनट पर कंट्रोल रूम से सेक्टर-63 स्थित देवेंद्र एंड संस फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। यहां प्रिंटिंग का कार्य होता है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग का दायरा बढ़ता देखकर तीन और गाड़ियों को घटनास्थल की तरफ रवाना किया गया। जिस समय आग लगी, फैक्टरी के अंदर सात लोग मौजूद थे। उन्होंने ही कंट्रोल रूम में आग लगने की सूचना दी। आग फैक्टरी के प्रथम तल पर लगी और देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। करीब 40 अग्निशमनकर्मी छह घंटे तक आग बुझाने में जुटे रहे। सुबह साढ़े पांच बजे के करीब आग धीमी पड़ी और सात बजे तक इस पर पूरी तरह से काबू पाया गया। गनीमत रही कि आग लगने की जानकारी होते ही अंदर मौजूद सभी लोग बाहर निकल आए। ऐसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। अंदर रखा कपड़ा समेत अन्य सामान जलकर पूरी तरह से राख हो गया। प्रिंटिंग मशीनें जल गईं। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। फैक्टरी के शीशे तोड़कर अग्निशमनकर्मी अंदर दाखिल हुए और बहादुरी से आग बुझाने में जुटे रहे। अगर फैक्टरी के अंदर मौजूद सभी लोग बाहर नहीं निकलते तो बाद में उन्हें निकालना काफी मुश्किल हो जाता। आग बुझाने के दौरान बिजली सप्लाई बंद कर दी गई थी। आसपास की जिस इमारतों में, जो लोग काम कर रहे थे, उन्हें बाहर निकलने के लिए कहा गया। इस दौरान सेक्टर-63 थानाप्रभारी पुलिसबल के साथ घटनास्थल पर मौजूद रहे।

सीएम नायब सैनी की मौजूदगी में 29 अप्रैल को राव इंद्रजीत करेंगे नामांकन

गुरुग्राम। लोकसभा चुनाव को लेकर गुरुग्राम में होने वाली रैलियों की तैयारियों को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष कमल यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, लोकसभा कलस्टर प्रमुख मनीष मित्तल और जिला प्रभारी संदीप जोशी की उपस्थिति में गुरुग्राम और पटौदी में होने वाली विजय संकल्प रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई। कार्यकर्ताओं को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत को बड़े मार्जिन में बदलने के लिए 5 मई से डोर-टू डोर प्रचार अभियान चलाने का निर्णय भी लिया गया। जिला मीडिया प्रभारी एवं गुरुग्राम लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के मीडिया प्रभारी डा. गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि 26 अप्रैल को गुरुग्राम विधानसभा की भीम नगर में होने वाली विजय संकल्प रैली में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि होंगे। 29 अप्रैल को भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह नामांकन भरेंगे, तब एक जनसभा होगी। एक मई को पटौदी अनाज मंडी में विजय संकल्प रैली होगी, इसमें भी पूर्व सीएम मुख्य अतिथि होंगे। तीनों बड़े कार्यक्रमों को लेकर बैठक में रूपरेखा तैयार की गई और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई। बैठक में जिला अध्यक्ष कमल यादव ने कहा कि गुरुग्राम विधानसभा की भीम नगर में होने वाली विजय संकल्प रैली ऐतिहासिक होगी। यह रैली सायं 5 बजे होगी। डा. गजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि 26 अप्रैल को गुरुग्राम विधानसभा की भीम नगर में होने वाली विजय संकल्प रैली ऐतिहासिक हो इसके लिए सभी कार्यकर्ता ज्यादा से ज्यादा लोगों को रैली में लेकर आएं। जिला प्रभारी संदीप जोशी ने कहा कि 29 अप्रैल को नामांकन के दौरान सीएम सैनी मौजूद रहेंगे इस दौरान भी ज्यादा से ज्यादा लोगों को लेकर लाईब्रेरी ग्राउंड में लेकर आए। उन्होंने कहा कि एक मई को पटौदी में होने वाली जनसंकल्प रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए अभी से तैयारियों में जुट जाएं।

नि: शुल्क नेशनल कैंसर हेल्पलाइन नंबर किया गया लॉन्च

गुरुग्राम। कैंसर मुक्त भारत अभियान कैंसर जागरुकता पर भारत का सबसे बड़ा अभियान कहा जाता है। इसने अब गुरुग्राम में कैंसर रोगियों के लिए एक निःशुल्क कैंसर हेल्पलाइन नंबर लॉन्च किया है। यह हेल्पलाइन नंबर देश के जाने माने कैंसर विशेषज्ञ से निःशुल्क सलाह प्रदान करेगी। कैंसर निदान और उपचार की जटिलताओं को समझने में रोगियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगी। याद रखने में आसान हेल्पलाइन-9355520202 देश में किसी के लिए भी उपलब्ध है और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में गेम-चेंजर साबित होने का वादा करती है। यह हेल्पलाइन सोमवार से शनिवार तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चालू रहेगी। कैंसर रोगी इस नंबर पर कॉल करके ऑन्कोलॉजिस्ट से सीधे बात कर सकते हैं या बिना कोई शुल्क दिए कैंसर के इलाज के बारे में चर्चा करने के लिए वीडियो कॉल भी कर सकते हैं।

कैंसर मुक्त भारत का नेतृत्व कर रहे भारत में न्यूयॉर्क ऑन्कोलॉजिस्ट के नाम से मशहूर डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि कैंसर पर जीत हासिल करने के लिए पहला कदम सबसे अच्छा कदम होना चाहिए। कैंसर के उपचार से पीड़ित लगभग सभी रोगियों को दूसरी राय की सिफारिश की जाती है। यह तब भी महत्वपूर्ण है, जब उपचार के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं होता है या यदि उनका निदान या उपचार संदेह में है। कैंसर के इलाज के लिए, लागत अधिक हो सकती है। अस्पताल से अस्पताल में भिन्न हो सकती है, इसलिए लागत पर राय लेने का एक और महत्वपूर्ण कारण है। इस हेल्पलाइन नंबर को शुरू करने के पीछे का कारण साझा करते हुए डॉ. आशीष गुप्ता ने कहा कि भारत में कैंसर के मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं और स्वास्थ्य देखभाल डॉक्टरों की कमी है, इसलिए मेरा भारत आना हमारे अपने देश की सेवा करने के लिए एक आह्वान था। कैंसर रोगियों को अपने ही देश में लेटेस्ट कैंसर उपचार प्राप्त करने में मदद करू जो अमेरिका में इलाज कराने के बराबर हो। डॉ. गुप्ता ने कहा कि भारत में मामलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य सुविधाओं और डॉक्टरों की कमी है। उन्होंने कहा कि भारत आना अपने देश की सेवा करने और कैंसर रोगियों को अपने देश में नवीनतम कैंसर उपचार प्राप्त करने में मदद करने के लिए एक आह्वान था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर हो सकता है।

मतदाता की बेरुखी लोकतंत्र के लिए नहीं हैं अच्छे संकेत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

18वीं लोकसभा के लिए पहले चरण की 102 सीटों के लिए मतदान के प्रति मतदाताओं की उदासीनता ने निराश ही किया है। आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी मतदान प्रतिशत बढ़ने के स्थान पर कम होना निश्चित रुप से किसी भी रुप में लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता है। चुनाव आयोग के लाख प्रयासों के बावजूद मतदान प्रतिशत कम होना निश्चित रुप से सोचने को मजबूर कर देता है। चुनाव आयोग से पहले चरण के मतदान के प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया जाये तो साफ हो जाता है कि 2019 की तुलना में दो प्रतिशत तक मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। हांलाकि त्रिपुरा और सिक्किम में मतदान का आंकड़ा 80 प्रतिशत को छूने में सफल रहा है पर वहां भी 2019 की तुलना में कम है। त्रिपुरा में 2019 के 81.9 प्रतिशत की तुलना में 81.5 प्रतिशत और सिक्किम में 84.8 प्रतिशत की तुलना में 80 प्रतिषत मतदान रहा है। पहले चरण के चुनावों में मतदान का सबसे कम प्रतिशत बिहार का रहा है जहां मतदान का आंकड़ा 50 प्रतिषत को भी छू नहीं पाया है। छत्तीसगढ़ में अवश्य 2019 की तुलना में एक प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान रहा है। जहां तक राजस्थान का प्रश्न है 12 सीटों पर हुए मतदान में मतदान प्रतिषत में 6 फीसदी की गिरावट रही हैं। सभी सीटों पर मतदान का प्रतिषत 2019 की तुलना में कम रहे हैं। हांलाकि चुनाव आयोग द्वारा जारी आंकड़ें आरंभिक सूचना के आधार पर है पर इनमें कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है। मजे की बात यह है कि पहले चरण में लोकसभा की 543 सीटों में से 20 प्रतिशत से कुछ कम 102 सीटों पर मतदान हो चुका हैं। यदि मतदाताओं का अगले चार चरणों के मतदान में भी यही रुख रहता है तो यह चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, लोकतांत्रिक व्यवस्था, गैरसरकारी संगठनों सहित सभी के लिए चिंतनीय हो जाता है।

मतदान में हिस्सा नहीं लेने वाले मतदाताओं को किसी भी हालत में देश का जिम्मेदार नागरिक नहीं कहा जा सकता। आज चुनाव आयोग ने जहां अवेयरनेस प्रोग्राम के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागृत किया हैं वहीं पारदर्शी और सहज मतदान व्यवस्था सुनिश्चित की है। आज मतदाताओं को किसी राजनीतिक दल पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। एक मतदान केन्द्र पर एक सीमा तक ही मतदाता होने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सभी तरह की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। अब तो मतदाता को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता क्रमांक से लेकर मतदान केन्द्र तक की जानकारी का समावेश करते हुए परची उपलब्ध कराई जाती है। सीनियर सिटिजन और मतदान केन्द्र तक जाने में अक्षम मतदाताओं को घर से मतदान की सुविधा दी गई है। मतदाताओं को जागृत करने के लिए प्रचार के सभी माध्यम यहां तक कि सोशियल मीडिया का उपयोग किया जाने लगा है। मतदान को निष्पक्ष और भयमुक्त कराने के लिए संपूर्ण व्यवस्था चाक चोबंद की जाती है। राजनीतिक दलों और उम्मीद्वारों की प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाती है। यहां तक कि उम्मीद्वार से संबंधित जानकारी साझा की जाती है। संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर विशेष व्यवस्था होती है। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही मतदान केन्द्र पर सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाती है। इसके अलावा यह नहीं भूलना चाहिए कि साक्षरता और लोगों में जागरुकता आई है। चुनाव आयोग के अलग अलग ऑब्जरवर द्वारा पूरी व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी जाती है ताकि राजनीतिक दलों या उम्मीद्वारों द्वारा मतदाताओं को किसी भी गलत तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सके। इस सबके बावजूद मतदान कम होना गंभीर हो जाता है। लोकसभा के पहले चुनाव 1952 में 44.87 प्रतिशत मतदान रहा था जो सर्वाधिक 67.40 प्रतिशत 2019 के 17 वीं लोकसभा के चुनाव में रहा। मतदान में उतार चढ़ाव तो देखा जाता रहा है पर चुनाव व्यवस्था के सरलीकरण, पारदर्शिता, निष्पक्ष चुनाव की चाकचोबंद व्यवस्था, ग्रामीण और शहरी सभी क्षेत्रों में साक्षरता में बढ़ोतरी के बावजूद यदि मतदान प्रतिशत 90 के आंकड़ें को भी नहीं छूता है तो यह घोर निराशाजनक है। हांलाकि आजादी के बाद सर्वाधिक मतदान 1984 के 64.01 के आंकड़ें को 2014 में पीछे छोड़ा गया पर 2019 के पहले चरण के मतदान से निराशा ही हाथ लगी है। आखिर शिक्षित मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के प्रति इतना गैरजिम्मेदार कैसे हो रहा है। सब कुछ को अलग कर दिया जाये तो भी इस बात से नहीं नकारा जा सकता कि देश के नागरिक का भी अपने देश के प्रति लोकतंत्र के प्रति दायित्व होता है। आखिर हम सरकार की आलोचना करने में तो पीछे नहीं रहते पर कभी हमने सोचा है क्या कि हम मताधिकार का उपयोग करने के अपने दायित्व को नहीं समझ पाते हैं। अपनी सरकार चुनने के अवसर पर हम हमारे दायित्व को कैसे भूल जाते हैं। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पीण भी अपने आप में गंभीर हो जाती है। भारत जैसे देश के आम नागरिकों द्वारा इस तरह से लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी हिस्सेदारी नहीं निभाना किसी अपराध से कम नहीं माना जाना चाहिए। हमें गर्व होता है कि हमारे देश का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पर हमें उस समय नीचे देखने को भी मजबूर होना पड़ता है जब इतने बड़े लोकतंत्र के पर्व पर आमनागरिक अपने दायित्व को समझने और उसे पूरा करने की भूल कर बैठता है और मताधिकार का उपयोग नहीं कर व्यवस्था को ठेंगा बताने का प्रयास करते हैं। मेरा तो यहां तक मानना है कि नोटा का प्रयोग भी सही विकल्प नहीं है वहीं मतदान का बहिष्कार तो देशद्रोह से कम अपराध नहीं माना जाना चाहिए। चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों, सर्वोच्च न्यायालय, सरकार गैरसरकारी संगठनों और समाज के प्रबुद्ध जनों को सोचना होगा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान कर अपनी आहुति देने के काम से मुहं मोड़ने वालों के प्रति कोई सख्त कदम जैसा प्रावधान होना ही चाहिए। कोई ना कोई ऐसा संदेश जाना चाहिए ताकि लोग मतदान के प्रति संवेदनशील हो और मतदान अवश्य करें। यह समूची व्यवस्था को ही सोचने को मजबूर कर देता है। आने वाले चार चरणों में होने वाले मतदान में अधिक से अधिक मतदाता हिस्सा ले इसके लिए सभी स्तर पर समन्वित प्रयास किये जाने की आवश्यकता है।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे? इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

प्रोदिप्तो घोष

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यत: फर्ज भी निहित होता है किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार काङ्क्ष ताकि दावा सही लगे। विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशत: इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे? इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशत: बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यत: बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है। अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है।

विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है। वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो। अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनज़र लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है। तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल-संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे-वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी। साफ है, जलवायु सततता का अधिकार और ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन घटाने में भारत की अंतर्राष्ट्रीय जिम्मेवारी का निर्वहन इस मामले में परस्पर विरोधाभासी है। इस अक्षय ऊर्जा की परियोजना की क्षति से भारत को पेरिस जलवायु संधि में किए वादे को निभाना और मुश्किल हो जाएगा। और यदि इस योजना को जारी रखें तो संकटग्रस्त पक्षी की प्रजाति को बचाना कठिन हो जाएगा। अदालत का सुझाव है कि इन दोनों चिंताओं का व्यावहारिक हल निकालने के लिए विशेषज्ञ अध्ययन करवाया जाए। यदि रास्ता निकलता है तो बहुत बढ़िया वर्ना शायद नीति अनुसंधान संस्थान इस मुश्किल दुविधा का हल निकालने में मददगार हो पाए।

विचार

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं गरीबी हटाओ का जुमला

राकेश गांधी

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही.. ? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है? गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दु:खद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं। इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें। हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं। हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी। अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

एक नजर

बिहार राज्य पैरामेडिकल पारा डेंटल परीक्षा समिति का परीक्षाफल जारी

सहरसा,एजेंसी। जिले के सोनवर्षा नगर पंचायत नारायण विहार सोहा स्थित रामचन्द्र विद्यापीठ पारामेडिकल एवं नर्सिंग कॉलेज के चेयरमैन डॉ रजनीश रंजन एवं प्राचार्य डॉ राजन कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से पारामेडिकल परीक्षा 2022 का परीक्षाफल महाविद्यालय में जारी किया। मौके पर प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग बिहार सरकार के परीक्षा नियंत्रक डॉ विशेश्वर प्रसाद के पत्रांक 327 दिनांक 22 अप्रैल 2024 को परीक्षाफल जारी किया गया,जिसमें सहरसा जिला के एक मात्र पारामेडिकल कॉलेज रामचन्द्र विद्यापीठ सोनवर्षा में नामांकित ड्रेसर कोर्स के कुल छब्बीस एवं डीएमएलटी के चार छात्र सत्र - 2021-22 में नामांकित थे, जिसकी परीक्षा बीते दिनों पारामेडिकल परीक्षा समिति एन एम सीएम पटना द्वारा सितम्बर 2023 में लिया गया था। जिसका परीक्षाफल अभी प्रकाशित हुआ है,जिसमें ड्रेसर के छब्बीस व डीएम एलटी के चार छात्रों ने सभी पत्रों में पास करते हुए महाविद्यालय सहित जिले का नाम रौशन किया है। मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजन कुमार सिंह ने कहा यह मेरे महाविद्यालय का पहला रिजल्ट है और चेयरमैन सर के दिशानिर्देश एवं स्वर्गीय रामचन्द्र प्रसाद सिंह जी के आशीर्वाद एवं प्रताप से आज का यह सुखद क्षण हमें प्राप्त हो रहा हैं। उन्होंने कहा यह सिर्फ जिला ही नहीं ब्लकि राज्य स्तर पर बड़ी बात है।कहा जहां तक मेरी जानकारी है पारामेडिकल के क्षेत्र में शत प्रतिशत रिजल्ट देने वाला राज्य का अद्वितीय संस्थान रामचन्द्र विद्यापीठ है। मौके पर महाविद्यालय के प्रबंधक संजीत कुमार खां ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी को शुभकामना दिया। उन्होंन कहा सभी सफल छात्र रामचन्द्र विद्यापीठ के कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान और समाज के नाम को गौरवान्वित करेंगे।

रिफाईन लदे ट्रक को लूटने वाला अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण,एजेंसी। जिले के पीपराकोठी थाना पुलिस ने चालक को बेहोश कर रिफाइन लदे ट्रक को लूटने वाला अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी पीपरा कोठी थाना क्षेत्र के गोविंदा पुर गांव के रहने वाले प्रभु पासवान का पुत्र प्रमोद कुमार है। थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने बताया कि 2022 में शातिर अपराधियो ने रिफाइन लोड ट्रक को अगवा कर व चालक को बेहोश कर माल लूट लिया था। उक्त खाली ट्रक को मेहंसी पेट्रोल पम्प के पास से बरामद किया गया था। ट्रक नेपाल से मध्यप्रदेश जा रहा था कि अपराधियों ने एनएच पर चालक,उपचालक को इंजेक्शन देकर बेहोश कर मोहम्मदपुर के पास फेंक दिया था। जहां से मोहम्मदपुर पुलिस दोनों को बेहोश की हालत में बरामद की थी। घटना को लेकर चालक ने मध्यप्रदेश,रायगढ़ निवासी स्वामी भंवरलाल ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया था कि खलासी गोपाल गुर्जर के साथ 19 जुलाई को नेपाल के जीतपुर के शिवशक्ति उद्योग से 15 सौ टीना करीब 33 लाख का रिफाइन पाम आयल लेकर मध्य प्रदेश जा रहा था। इस दौरान कोटवा रोड में पंडीत ढाबा के पास 6 अपराधी जबरन गाड़ी रोककर आगे तक जाने के बहाने सवार हो गये और चालक उपचालक को इंजेक्शन देकर बेहोशी के हालत में फेंक दिया था और गाड़ी से माल उतार कर जगह जगह के दुकानदारों से बेंच दिया तथा ट्रक को मेहंदी में लावारिस खड़ा कर दिया था।

एनआईसी में ईवीएम एवं मतदान कर्मियों का द्वितीय रैण्डमाइजेशन की प्रकिया सम्पन्न

अररिया,एजेंसी। अररिया में होने वाले चुनाव को लेकर सामान्य प्रेक्षक एम.बी. राजेश गौड़ा एवं निर्वाची पदाधिकारी इनायत खान सहित सभी सहायक निर्वाची पदाधिकारी एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी और उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में एनआईसी में ईवीएम एवं मतदान कर्मियों का द्वितीय रैण्डमाइजेशन की प्रकिया आज सम्पन्न हुई। द्वितीय रैण्डमाईजेशन विधानसभावार मतदान केन्द्रों के लिए ईवीएम एवं वीवीपैट चिन्हित किया गया,जिसकी सूची सभी निर्वाचन लड़नेवाले अभ्यर्थी और उनके प्रतिनिधियों को भी उपलब्ध कराया गया।अररिया संसदीय निर्वाचन हेतु कुल 2004 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। उक्त सभी मतदान केन्द्रों के लिए 2004 बीयू (198 रिजर्व), 2004 सीयू (198 रिजर्व), एवं 2004 वीवीपैट (598 रिजर्व) आवंटित किया गया है। इसी प्रकार द्वितीय रैण्डमाईजेशन की प्रकिया के तहत कुल 2004 मतदान केन्द्रों के लिए 2227 मतदान दल का गठन किया गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 प्रतिशत मतदान केन्द्रों के लिए मिश्रित मतदान दल का गठन किया गया है, जिमसें पुरूष एवं महिला दोनों मतदान पदाधिकारी शामिल हैं। इसके साथ ही प्रत्येक विधानसभा में एक-एक पिंक बूथ, पीडब्ल्यूडी बूथ, एवं युवा बूथ होगा। पिंक बूथ में सभी महिला मतदान पदाधिकारी होंगी एवं पीडब्ल्यूडी बूथ में पीडब्ल्यूडी श्रेणी के मतदान पदाधिकारी होंगे तथा युवा बूथ में 30 वर्ष के नीचे उम्र के मतदान पदाधिकारी होंगे। मतदान दलों में कुल सुरक्षित सहित 8908 मतदान कर्मियों को लगाया गया है, जिसमें 8412 पुरूष तथा 496 महिला कर्मियों को लगाया गया है। मौके पर विभिन्न कोषांग के अधिकारी मौजूद भी थे।

मोदी जी को प्रधानमंत्री बनायेंगे तो भारत अर्थव्यवस्था में तीसरे नंबर पर होगी: नड्डा

भागलपुर,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड में आयोजित चुनावी सभा में कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था पिछड़ती जा रही है। भारत की अर्थ व्यवस्था लगातार आगे बढ़ रही है। आज हमारे देश की अर्थव्यवस्था पांचवें नंबर की बन गई है। जिस ब्रिटेन ने हम पर 200 साल राज किया। हमने उसको पछाड़कर भारत को पांचवें नंबर पर खड़ा कर दिया है। अगर आपने यहां के उम्मीदवार को जीता कर मोदी जी को प्रधानमंत्री बनायेंगे तो भारत तीसरे नंबर के अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में चाहे देश की राजनीति हो या प्रदेश की 10 सालों में बहुत परिवर्तन आया है। पीएम मोदी ने 10 सालों में आम आदमी की मानसिकता को बदल दिया है। मेरे बचपन के 20 साल बिहार में ही बीते हैं। पहले की स्थिति से हम अच्छी तरह वाकिफ हैं लेकिन आज बदलते बिहार, बदलता भागलपुर को अपनी आंखों से देख रहा हूं। यह बदलाव राजनीतिक सोच की वजह से हो पाया है। आज विकास की राजनीति हो रही है। बिहार राजनीतिक दृष्टि से बहुत ही सजग है। यहां के लोग देश और प्रदेश के प्रति अपने दायित्व से पीछे नहीं हटते हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि गांव, गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित, किसान, मजदूर, महिला को नरेंद्र मोदी की नीतियों ने ताकत दिया है। सभा को उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधायक पवन यादव, इंजीनियर ललन पासवान, गोपाल मंडल, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने संबोधित किया। मंच पर एनडीए प्रत्याशी अजय मंडल के अलावा एनडीए गठबंधन के नेतागण मौजूद थे। भाजपा अध्यक्ष ने आईएनडीआईए गठबंधन पर जमकर हमला बोला। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारे विरोधियों में दो बातों का गठबंधन है। एक है परिवारवादी पार्टी का गठबंधन और दूसरा गठबंधन भ्रष्टाचारियों का

है। ये लोग जिंदगी भर एक दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे हैं लेकिन आजकल गलबहियां करते घूम रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि ये लोग भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हुए हैं। जेपी नड्डा ने फारुख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला से लेकर लालू, राबड़ी और तेजस्वी का नाम लेते हुए कहा कि ये सभी परिवार की पार्टी है। ये सिर्फ परिवार की ही नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की भी पार्टी है। यह सब घोटालाबाज एक साथ मिल गए हैं। राहुल गांधी जमानत पर, सोनिया गांधी जमानत पर, संजय सिंह जमानत पर, लालू यादव जमानत पर, पी. चिदंबरम, कार्ति चिदंबरम जमानत सब जमानत पर हैं। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और आजम खान जेल में हैं। मीसा भारती, तेजस्वी और सारा परिवार बेल पर है। क्या ऐसे लोगों को आगे आने देना है। जो लोग भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे थे आज वही भ्रष्टाचारी हो गए हैं। उनकी भ्रष्टाचारियों के साथ दोस्ती हो गई है। समय की आवाज है, बिहार के विकास की आवाज है, समय का तकाजा है कि आपकी उंगली को कमाल करना है। कमाल दिखा कर एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाइए।

कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर- रेणु देवी

बेतिया,एजेंसी। मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री रेणु देवी ने प्रेस को संबोधित करते हुए बुधवार को कहा कि 60 के दशक से कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति को चुनाव जीतने का हथियार बनाया। हम वर्षों से इसके खिलाफ लड़ रहे थे। 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास का एजेंडा देश में सेट किया, जिसके बाद कांग्रेस लगातार पराजित हो रही है। अब कांग्रेस फिर से एक बार तुष्टिकरण के आधार पर आगे बढ़ना चाहती है।

मत्स्य पालन एवं पशुपालन मंत्री रेणु देवी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई पर है। आपकी संपत्ति पर है। आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। किसके पास कितनी प्रॉपर्टी है, किसके पास कितना धन है, किसके पास कितने मकान हैं, कांग्रेस सरकार उसकी जांच कराएगी। यह जो संपत्ति है उनको सरकार अपने कब्जे में लेकर सभी को बांट देगी। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि आपके गांव में पैतृक घर है तो यह लोग उसे दो घर बताकर छीन लेंगे। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि आपके पास गांव में तो एक घर पहले से ही है। इनकी यह सोच माओवादियों और कम्युनिस्टो जैसी है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन इसे भारत में लागू करना चाहती है। प्रधानमंत्री ने सही ही कहा है कि यही कांग्रेस की नीति और उनके घोषणापत्र का हिडेन एजेंडा है। कांग्रेस का घोषणापत्र 2024 स्पष्ट है। इसमें विशेष रूप से कहा गया है कि कांग्रेस जातियों और उप-जातियों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की गणना करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना आयोजित करेगी। आंकड़ों के आधार पर सकारात्मक कार्रवाई के एजेंडे को मजबूत किया जाएगा। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गाँधी की अगुवाई वाली कॉन्ग्रेस सरकारों ने लोगों की कमाई जब्त करने वाले ऐसे ही कानून 1963 और 1974 में पास किए थे। इनका नाम कम्पलसरी डिपाजिट स्कीम एक्ट था। इसके अंतर्गत सभी करदाताओ, सम्पत्ति धारकों और सरकारी कर्मचारियों को अपनी कमाई का 18न सरकार के पास जमा करना होता था। जमा की धनराशि 3-5 वर्ष तक के लिए सरकारी खजाने में रहती थी। उन्होंने कहा आज की सरकार लोगों की कमाई बढ़ा कर देश को सशक्त करना चाहती है, वहीं कॉन्ग्रेस सरकारें लोगों की कमाई जब्त करके देश का विकास करना चाहती थीं। इन कानूनों के तहत सरकार को यह ताकत भी थी कि वह इस बात पर निर्णय ले कि किसका पैसा कितने दिन रखा जाए, किसको कब पैसा वापस दिया जाए। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव , एनआरआई सेल के प्रदेश प्रभारी आनंद अवस्थी, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष धनरंजन कुशवाहा अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

एसपी की अनुशंसा पर डीएम ने पांच असमाजिक तत्वों को जिला एवं थाना बदर किया

सहरसा। बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम 1981 की धारा-3 की उप धारा 3 के अंतर्गत आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कुल-05 असामाजिक तत्वों को जिला दंडाधिकारी सह जिलाधिकारी ने जिला व थाना बदर का आदेश दिया हैं। जिलाधिकारी ने आदेश में कहा है कि इनकी संभावित दबंगता एवं आपराधिक गतिविधियों से आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के दौरान विधि-व्यवस्था की समस्या हो सकती है।

पुलिस अधीक्षक की अनुशंसा पर जिला दंडाधिकारी ने बीसीसीए बाद में अपने न्यायालय में प्रतिवादियों एवं राज्य की और से अपर लोक अभियोजक से सुनवाई कर जिला व थाना बदर का आदेश पारित किया हैं। अपने आदेश में उन्होने कहा कि उपरोक्त वर्तमान में न्यायालय से जमानत पर मुक्त हैं। यह अपराधी काफी मनबढ़ू एवं उपद्रवी किस्म का व्यक्ति है। ये संज्ञेय अपराध में संलिप्त रहे है एवं इनकी गतिविधि सक्रिय है। इनके क्षेत्र में उपस्थित रहने से विधि-व्यवस्था की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। प्रशासनिक एवं जनहित में जिला व थाना बदर किये गये संबंधित थाना में सदेह उपस्थित होकर प्रत्येक दिन 9:00 बजे पूर्वाहन से 11:00 बजे पूर्वाहन तक एवं 5:00 बजे अपराहन से 8:00 बजे अपराहन तक

अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। संबंधित थाना प्रभारी को आदेश दिया गया है कि उनके थाना में तड़ीपार किये गये असमाजिक तत्व का प्रतिदिन पंजी में उपस्थिति दर्ज कराएंगे और पुलिस अधीक्षक को साप्ताहिक प्रतिवेदन देना सुनिश्चित करेंगे। जिन आपराधिक पृष्ठभूमि के असामाजिक तत्वों को बीसीसीए के अन्तर्गत 06 माह के लिए जिला व थाना बदर किया गया हैं,जिसमें वकील सादा, पिता-सज्जन सादा,साकिम-तेघरा, थाना - महिषी को सौरबाजार थाना,राजेश सादा,पिता-उदयकांत सादा,साकिन-तेलहर, थाना - महिषी को बसनही थाना,कमकम यादव,पिता-विलाश यादव, साकिन-अतलखा, थाना बसनहीं, जिला-सहरसा को दरभंगा सदर थाना, बंदर यादव उर्फ धर्मेन्द्र यादव,पिता- रामरक्षी यादव, साकिन-टेंगराहा थाना-सलखुआ को सुपौल सदर थाना,गुलाब शर्मा पिता विशनुदेव शर्मा,साकिन-महादेव मठ, थाना-सलखुआ जिला-सहरसा को हाजीपुर थाना बदर किया गया है।

चैत्र पूर्णिमा पर परमहंस लक्ष्मीनाथ गोसाई चरण पादुका यात्रा आयोजित

सहरसा,एजेंसी। जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल स्थित परमहंस लक्ष्मीनाथ गोसाई कुटी साधना स्थल खजूरी से बाबा जी के जन्मस्थली परसरमा तक चरण पादुका यात्रा निकाली गई। साधना कुटी स्थल के साधक आचार्य प्रभाकर ने बताया कि समाज में शांति बनाए रखने तथा विश्व कल्याणार्थ निरंतर चरण पादुका यात्रा निकल जाती है। उसी कड़ी में चैत्र पूर्णिमा के शुभ अवसर पर यह चरण पादुका यात्रा निकाली गई। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भरत ने भगवान राम की पादुका को अपने सिर पर धारण कर चित्रकूट से नंदीग्राम लाए।उसी प्रकार आचार्य प्रभाकर के द्वारा साधना कुटी स्थल से परमहंस लक्ष्मी नाथ गोसाई की खड़ाऊ को पूजा कर अपने मस्तक पर धारण करते हुए बाबा जी की जन्मस्थली परसरमा धाम तक यह चरण पादुका आयोजित की जाती है।जहां के मुख्य पुजारी को सौंपा जाता है।इस क्रम में रास्ते भर संत लक्ष्मी नाथ गोसाई द्वारा रचित भजन गाकर लोगों का ध्यान आकृष्ट करते हैं।

आचार्य प्रभाकर ने बताया कि सृष्टि की उत्पत्ति काल से ही अपने शरीर को गतिमान रखने के लिए खराऊ का उपयोग किया जाता था।खड़ाऊ धारण करने से शरीर में रक्त संचार सही रहती है।वहीं पाचन तंत्र भी सुदृढ रहता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी आज लोग एक्यूप्रेशर का सहारा ले रहे हैं जबकि खड़ाऊ हमारे पूर्वजों की देन है। खराब धारण करने से एक्यूप्रेशर का सहारा नहीं लेना पड़ेगा। खराऊ धारण करना यानी शरीर को स्वस्थ

रखना माना जाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान युग में खड़ाऊ का प्रयोग नहीं हो रहा है बल्कि इसके बदले पैरों में लोग प्लास्टिक धारण कर रहे है। जिसके कारण शरीर में नाना प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं।वही दांत एवं आंख की समस्या दिनानुदिन खराब होती जा रही है। आचार्य प्रभाकर ने बताया कि चरण पादुका यात्रा के क्रम में लोगों का अभूतपूर्व सहयोग मिलता है। वही इस यात्रा को सफल बनाने में साधना स्थल की व्यवस्थापिका राजनंदनी, पंडित राजकुमार मिश्रा, पंडित संतोष कुमार मिश्रा, डॉक्टर उदय कुमार मिश्र,डॉक्टर रंजीत मिश्रा, डॉक्टर ध्रुव कुमार चौधरी, बैजू बैद्यनाथ, मृदुला देवी,विशाल खेतान, सुजय कुमार सिंहा सहित अन्य लोगों ने सराहनीय योगदान दिया।

पश्चिमी चंपारण में कांग्रेस प्रत्याशी समर्थन में बैठक संपन्न

बेतिया,एजेंसी। इंडिया तथा महागठबंधन समर्थित कांग्रेस पार्टी के पश्चिमी चंपारण संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी मदन मोहन तिवारी के समर्थन में बेतिया तिलक मैदान कांग्रेस कार्यालय में महागठबंधन के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस जिला अध्यक्ष भारत भूषण दुबे ने की। बैठक को संबोधित करते हुए भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की बिहार राज्य सचिव मंडल सदस्य प्रभुराज नारायण राव ने बताया कि यह लोकसभा चुनाव साधारण चुनाव नहीं है। आज हमारा संविधान खतरे में है। लोकतंत्र खतरे में है।

हमारे संविधान की काया धर्मनिरपेक्षता खतरे में है, क्योंकि नरेन्द्र मोदी स्वयं सभा में बोल रहे हैं कि 400 पार सीट मिल जाने का मतलब संविधान में बदलाव कर एकात्मकवाद के आधार पर सरकार चलाना है। यानी कि फासीवादी व्यवस्था को देश में लागू करना है, जबकि देश के लोगों के सामने महंगाई, भुखमरी, बेरोजगारी का संकट खड़ा है। इसलिए देश के तमाम लोकतंत्र पसंद, संविधान समझ लोगों को एक जुट होकर इंडिया तथा महागठबंधन के उम्मीदवार मदन मोहन तिवारी के हाथ छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से विजई बनाना है। इसके लिए प्रखंड स्तर ,पंचायत स्तर तथा बूथ स्तरीय कमेटियों का गठन कर चुनाव की पूरी तैयारी करने की जरूरत है। पश्चिम चंपारण लोकसभा क्षेत्र में लोग बदलाव चाह रहे है। बैठक को पश्चिम चम्पारण के आईएनडीआई प्रत्याशी कांग्रेस के पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी, रंजित पटेल, माकपा के पश्चिमी चंपारण जिला कमेटी के सचिव चांदसी प्रसाद यादव,भाकपा के जिला मंत्री ओमप्रकाश क्रांति, राजद के विधान परिषद सदस्य सौरभ कुमार, कांग्रेस के विनय कुमार शाही, भारत जोड़ो अभियान के रामेश्वर प्रसाद, आलमगीर हुसैन भाकपा माले के फरहान सहित अनेक लोगों ने बैठक में अपने सुझाव दिए।

फारबिसगंज में पीएम के आगमन से पहले वायुसेना हेलीकॉप्टर ने लैंडिंग करने का किया अभ्यास

फारबिसगंज/अररिया। फारबिसगंज में पीएम मोदी 26 अप्रैल को एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसको लेकर शहर में तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने पीएम नरेंद्र मोदी के सभा स्थल के पास लैंडिंग का अभ्यास किया. इस दौरान सेना के एमआइ -17 हेलीकॉप्टर ने सभा स्थल के आसपास उड़ान भरी और कई बार हेलीकॉप्टर से लैंडिंग पूरी करने का अभ्यास किया। हेलीकॉप्टर ने पहले सभा स्थल के आसपास चक्कर लगाना शुरू किया। फिर प्रथम सुरक्षा घेरे में चक्कर काट कर उसने लैंडिंग की। इसके बाद दूसरे सुरक्षा घेरा, फिर तीसरे सुरक्षा घेरे में चक्कर लगाकर उसने अलग-अलग दिशाओं से विभिन्न हेलीपैड पर लैंडिंग की। लैंडिंग के दौरान एसपीजी और एनएसजी के कमांडो भी थे। पीएम की सभा को लेकर हेलीपैड निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा किया गया है। गौरतलब है कि सभा स्थल पर तीन हेलीपैड बनाये गये हैं बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री व उनके साथ एसपीजी और एसपीजी कमांडो का हेलीकॉप्टर सभा स्थल के पास बने तीनों हेलीपैड पर उतरेगा बिहार भाजपा के वरीय नेताओं का हेलीकॉप्टर अन्य मैदान में लैंड करेगा, जहां से सड़क मार्ग के द्वारा सभी नेता सभा स्थल

पर पहुंचेंगे सभा स्थल पर पूरी घेराबंदी की गयी है, जवानों के द्वारा आसपास के घरों को भी स्कैन किया जा रहा है प्रधानमंत्री की सभा से पहले सुरक्षा के सभी बंदोबस्त किये गये हैं और लगातार इस पूरी प्रक्रिया को कई बार दोहराया गया है।

एक नजर

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

मॉस्को,एजेंसी। रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा, रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है। समाचार एजेंसी तास (टीएएसएस) के अनुसार, इवानोव को मई 2016 में उप रक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था। इस पद पर वह सशस्त्र बलों के लिए संपत्ति प्रबंधन, सेना की तैनाती, आवास और चिकित्सा सहायता के आयोजन के साथ-साथ राज्य रक्षा आदेश के तहत खरीद की देखरेख के प्रभारी थे।

यूक्रेन ने व्यवसायों, उद्योग पर बिजली आपूर्ति प्रतिबंध लगाया

कीव,एजेंसी। यूक्रेन की सरकारी एनर्जी कंपनी उक्रेनर्गो ने कहा है कि वह रूसी मिसाइल हमलों के कारण हुई बिजली की कमी के कारण व्यवसायों और उद्योग पर बिजली आपूर्ति प्रतिबंध लगाएगी। उक्रेनर्गो ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, इलेक्ट्रिसिटी लिमिटेशन कार्यक्रम शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक लागू किया जाएगा, जो महत्वपूर्ण बुनियादी

सुविधाओं और रक्षा उद्यमों को प्रभावित नहीं करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य यूक्रेन के क्रिवी रिह जिले में औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति प्रतिबंध चौबीसों घंटे लागू रहेगा। इसके अलावा, बिजली कटौती से पूर्वी खार्किव क्षेत्र में निजी घर प्रभावित होंगे। उक्रेनर्गो के अनुसार, एनर्जी (ऊर्जा) घाटे को पूरा करने के लिए यूक्रेन लगातार दूसरे दिन यूरोप से बिजली आयात कर रहा है। पिछले हफ्ते, यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस शमीहाल ने कहा था कि रूसी हमलों के कारण यूक्रेन ने हाल के महीनों में अपनी 8 गीगावॉट से अधिक क्षमता खो दी है।

अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 चालक दल के साथ 25 अप्रैल को होगा प्रक्षेपित

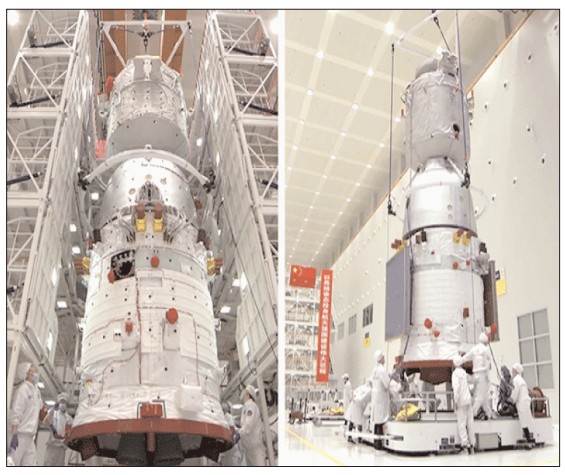

जिउक्कान,एजेंसी। उत्तर पश्चिमी चीन में जिउक्कान सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 चालक दल के साथ बीजिंग समय के अनुसार गुरुवार को रात 8ः59 बजे प्रक्षेपित किय जायेगा। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। सीएमएसए के उप निदेशक लिन ज़ियांग ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 अंतरिक्ष उड़ान मिशन को पूरा करने के लिए तीन अंतरिक्ष यात्रियों - ये गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु - को ले जाएगा और श्री ये इसके कमांडर होंगे। शेनझोउ-18 चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का 32वां उड़ान मिशन है और चीन के अंतरिक्ष स्टेशन के अनुप्रयोग और विकास चरण के दौरान तीसरा मानवयुक्त मिशन है। चालक दल लगभग छह महीने तक कक्षा में रहेगा और उनका इस साल अक्टूबर के अंत में उत्तरी चीन के भीतरी मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौटने का कार्यक्रम है। लिन ने कहा प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-2एफ वाहक रॉकेट का उपयोग किया जाएगा, जो जल्द ही प्रणोदक से भर जाएगा। लिन ने कहा, शेनझोउ-18 चालक दल को कक्षा में काम सौंपने के बाद शेनझोउ-17 चालक दल 30 अप्रैल को डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौटने वाला है।

अलास्का में विमान नदी में गिरा

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में अलास्का राज्य के फेयरबैंक्स में मंगलवार को एक डगलस डीसी-4 हवाई जहाज नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, फेयरबैंक्स में तानाना नदी के क्षेत्र में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना के बाद वहां बचाव और राहत कार्य जोरशोर से चलाया जा रहा है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अलास्का प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि जब डगलस डीसी-4 फेयरबैंक्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दक्षिण में प्रस्थान करने के तुरंत बाद सुबह 10:30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ तो उस पर कितने लोग सवार थे। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा, हम कलेनबर्ग रोड के पास तानाना नदी पर डगलस डीसी-4 विमान से जुड़ी मौजूदा स्थिति को स्वीकार करते हैं। अलास्का स्टेट ट्रूपर्स सक्रिय रूप से प्रतिक्रिया का नेतृत्व कर रहे हैं और हम उनके साथ सहयोग कर रहे हैं। फेयरबैंक्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक प्रवक्ता ने जनता से इस क्षेत्र से बचने का आग्रह किया।

ईरान के साथ कारोबार पर प्रतिबंधों के जोखिम के बारे में भी सजग रहें- अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ कारोबार करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के जोखिम की भी जानकारी होनी चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान की यात्रा के बारे में किए गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही।

उन्होंने कहा, %%मैं व्यापक तौर पर यह कहना चाहता हूं कि हम ईरान के साथ कारोबार की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में सजग रहने की सलाह देते हैं। पाकिस्तान सरकार को अपनी विदेश नीति के बारे में बेहतर पता होगा। ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान पाकिस्तान और ईरान ने आठ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उसकी मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाया, जिसमें चीन की तीन कंपनी भी शामिल हैं। पटेल ने कहा, प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये ऐसी संस्थाएं हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के उत्पादन और उनके प्रसार को बढ़ावा दे रही थीं। ये बेलारूस में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से जुड़ी कंपनी हैं और हमने देखा है कि इन्होंने किस प्रकार से पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए जरूरी घटक और अन्य सामान मुहैया कराए। एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध है। राइडर ने कहा, वह क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार है।

अमेरिकी कांग्रेस ने यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर की सहायता को दी मंजूरी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी कांग्रेस ने कई महीनों के इंतजार के बाद यूक्रेन के लिए 61 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को आखिरकार मंजूरी दे दी है। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में विधेयक को मंजूरी दी गई थी। अब सीनेट ने मंगलवार को 100 सीटों वाले ऊपरी सदन में 79 मतों के साथ विधेयक को मंजूरी दे दी।

अब इस विधेयक को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मंजूरी का इंतजार है। मतदान के तुरंत बाद बाइडेन ने कहा, %%मैं इस विधेयक पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बना दूंगा। कल जैसे ही यह मेरी मेज पर पहुंचेगा, मैं अमेरिकी लोगों को संबोधित करूंगा ताकि हम इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण भेजना शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि वह इस सप्ताह यूक्रेन को हथियार और उपकरण पहुंचाना शुरू करना चाहते हैं। बिडेन ने कहा, इजरायल और ताइवान के लिए अरबों डॉलर की सहायता का विधायी पैकेज पारित कर अमेरिकी कांग्रेस ने दुनिया में अमेरिकी नेतृत्व की शक्ति का प्रदर्शन किया है। हम लोकतंत्र और स्वतंत्रता के लिए तथा अत्याचार और उत्पीड़न के खिलाफ दृढ़ता से खड़े हैं। बाइडेन ने कहा, रूस से लगातार बमबारी का शिकार हो रहे यूक्रेन को समर्थन की तत्काल आवश्यकता है। विधेयक में इजरायल के लिए सहायता भी शामिल है जिसने हाल ही में ईरान से अभूतपूर्व हमलों का सामना किया है। उन्होंरने आगे कहा, यह महत्वपूर्ण कानून हमारे देश और दुनिया को और अधिक सुरक्षित बनाएगा। हम अपने उन दोस्तों का समर्थन करते हैं जो हमास जैसे आतंकवादियों और पुतिन जैसे अत्याचारियों के खिलाफ अपना बचाव कर रहे हैं। अमेरिकी सहायता पैकेज में सैन्य भंडार के लिए लगभग 23 बिलियन डॉलर का प्रावधान है, इसलिए पैसा अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन को जाएगा और अमेरिका में ही रहेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन को महत्वपूर्ण सहायता देने के लिए अमेरिकी सीनेट को धन्यवाद दिया है। जेलेंस्की ने कहा, यह बिल लोकतंत्र के प्रतीक और स्वतंत्र दुनिया के नेता के रूप में अमेरिका की भूमिका को मजबूत करता है। इससे पहले मंगलवार को पेंटागन के प्रवक्ता पैट राइडर ने वाशिंगटन में संवाददाताओं से कहा था कि कुछ ही दिनों में यूक्रेन को नई सैन्य सहायता पहुंचाई जाएगी।

इमरान की पार्टी ने पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना के साथ गुप्त बातचीत की बात से इनकार किया

इस्लामाबाद। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान-नीत पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश की शक्तिशाली सेना के साथ गुप्त बातचीत की किसी भी अफवाह का खंडन करते हुए कहा कि पार्टी को किसी संस्था के साथ बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। पीटीआई प्रमुख बैरिस्टर गौहर खान ने रावलपिंडी में अडियाला जेल के बाहर संवाददाताओं से कहा, %%आज, मैंने पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान से पूछा कि क्या कुछ संस्थानों ने उनसे बातचीत के लिए संपर्क किया है। इमरान खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी ने उनसे संपर्क नहीं किया है। गौहर खान के हवाले से डॉन समाचार पत्र की एक खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि किसी ने भी बातचीत के लिए उनसे संपर्क नहीं किया है और न ही उन्हें किसी से बातचीत के लिए कोई संदेश मिला है। इससे पहले मीडिया के एक तबके में खबर आयी थी कि इमरान ने खुलासा किया है कि उनकी पार्टी के कुछ नेता अब भी प्रतिष्ठान (सेना) के संपर्क में हैं। उसके कुछ दिनों बाद गौहर खान ने यह स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने कहा, अन्य पार्टी के नेतृत्व का भी यही हाल है। अगर हमें बातचीत के लिए किसी से भी कोई संदेश मिलता है तो हम मीडिया को सूचित करेंगे। गौहर खान ने स्पष्ट किया कि पीटीआई की जब भी संवाद में रुचि होगी, तो यह खुले तौर पर आयोजित होगी और मीडिया को इसकी जानकारी दी जाएगी।

चर्च में चाकूबाजी घटना के बाद छापे में सात नाबालिग गिरफ्तार

सिडनी,एजेंसी। सिडनी के वेकले चर्च में पादरी को चाकू मारने के मामले के बाद बुधवार को एक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया जिसमें पूरे सिडनी में सात नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) की डिप्टी कमिश्नर क्रिसी बैरेट ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की, सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है, सभी नाबालिग हैं, और अन्य पांच हमारी पूछताछ में पुलिस की सहायता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, वेकले चाकूबाजी मामले पर हमारी जेसीटीटी (संयुक्त काउंटर टेररिज्म टीम) जांच कर रही है। इस कड़ी में, हमने कथित अपराधी और उसके कुछ साथियों के नेटवर्क के बीच संबंधों की पहचान की है, जिनके बारे में हमारा मानना है कि वे हिंसक विचारधारा वाले हैं। ऑपरेशन स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:15 बजे शुरू हुआ, जिसमें एएफपी और न्यू साउथ वेल्स पुलिस फोर्स (एनएसडब्ल्यूपीएफ) के 400 से ज्यादा अधिकारी शामिल थे। दक्षिण-पश्चिमी सिडनी में कुल 13 तलाशी वारंट एग्जीक्यूट किए गए हैं। एनएसडब्ल्यूपीएफ के डिप्टी कमिश्नर डेविड हडसन ने कहा कि 16 वर्षीय अपराधी की गिरफ्तारी के बाद कई सहयोगियों की पहचान की गई, जिन पर और अधिक ध्यान देने और जांच की आवश्यकता है। हडसन ने कहा, ये धार्मिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथी विचारधारा वाला हैं। घटना के बाद से ये जांच आगे बढ़ रही है। जांच में व्यापक निगरानी गतिविधियां और उन व्यक्तियों की गहन जांच शामिल है। डिप्टी कमिश्नर ने कहा, वे सभी एक-दूसरे को जानते हैं, कुछ तो काफी करीब से जानते हैं, सभी का एक ही मकसद था। 15 अप्रैल को, स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 7ः10 बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि सिडनी के वेकली चर्च में पादरी को चाकू मारा गया है। 53 वर्षीय पादरी को सिर पर गंभीर चोटें आयी थी। एक 16 वर्षीय नाबालिग को घटनास्थल पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ आतंकवादी घटना में शामिल होने का आरोप है। इस अपराध के तहत अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

ईरानी राष्ट्रपति रईसी का पाकिस्तान दौरा संपन्न

इस्लामाबाद। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का पाकिस्तान दौरा संपन्न हो गया है। इस दौरान उन्होंने देश के प्रमुख नेताओं के साथ %लाभदायक बातचीत% की और व्यापार-ऊर्जा क्षेत्र के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। आठ फरवरी के आम चुनाव के बाद किसी राष्ट्राध्यक्ष का यह पहला पाकिस्तानी दौरा था। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने अपने समकक्ष आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर, सीनेट अध्यक्ष यूसुफ रजा गिलानी, नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक और सिंध एवं पंजाब के मुख्यमंत्री और राज्यपाल के साथ बैठकें की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया, ईरान के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रमुख नेताओं के बीच सार्थक बातचीत हुई। इस दौरान व्यापार, ऊर्जा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने पर दोनों पक्षों में सहमति बनी। जियो न्यूज की खबर के मुताबिक, रईसी ने अपनी पत्नी और एक उच्च स्तरीय टीम के साथ लाहौर और कराची का भी दौरा किया, जिसमें विदेश मंत्री और कैबिनेट के अन्य सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी और एक बड़ा व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल शामिल था।

गाजा युद्धविराम वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करेगा कतर

दोहा, 24 अप्रैल (वेब वार्ता)। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि कतर, इजरायल और हमास के बीच मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन कर रहा है। माजिद अल-अंसारी ने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, विभिन्न मीडिया आउटलेट्स और अधिकारियों का मकसद मध्यस्थ के रूप में कतर की भूमिका पर हमला करना था। वे ऐसे हमलों को सही ठहराने के लिए गलत जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कतर को कुछ इजरायली और अमेरिकी राजनेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने खाड़ी देश पर आतंकवादी संगठन के बहुत करीब होने का आरोप लगाया है। संघर्ष की शुरुआत के बाद से दोहा ने बार-बार आरोपों को खारिज किया है। गाजा में युद्धविराम और बंधकों की रिहाई को सुविधाजनक बनाने के मकसद से इजरायल और हमास के बीच बातचीत में गतिरोध आ गया है। प्रवक्ता ने कहा, हम यह देखेंगे कि क्या दोनों पक्षों की स्थिति में कोई बदलाव आया है जिससे बातचीत आगे बढ़े। 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से कतर दोनों युद्धरत पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहा है।

दशकों में सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहे वैश्विक मानवाधिकार- एमनेस्टी

लंदन,एजेंसी। लंदन स्थित समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बुधवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि दुनिया भर में मानवाधिकार दशकों में सबसे गंभीर खतरों का सामना कर रहे हैं। संगठन ने गाजा और यूक्रेन में संघर्षों के साथ-साथ सत्तावादी सरकारों पर कहा कि वोअंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और मौलिक अधिकारों की उपेक्षा कर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

एमनेस्टी के महासचिव एग्नेस कैलमार्ड ने कहा, गाजा में नरसंहार को रोकने में उनके सहयोगियों की विफलता के चलते इजरायल लगातार अंतरराष्ट्रीय कानून की उपेक्षा कर रहा है। यूक्रेन पर रूस का आक्रामण, विश्व में सशस्त्र संघर्षों की बढ़ती संख्या और बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन देखा गया है। उदाहरण के लिए, सूडान, इथियोपिया और म्यांमार में वैश्विक नियम-आधारित व्यवस्था के खत्म होने का खतरा है। कैलमार्ड ने कहा, 2023 में हमने जो देखा वह पुष्टि करता है कि कई शक्तिशाली देश मानव अधिकारों की घोषणा में निहित मानवता और सार्वभौमिकता के संस्थापक मूल्यों को त्याग रहे हैं। अन्य बातों के अलावा, रिपोर्ट गाजा युद्धविराम के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को महीनों तक बाधित करने के लिए अमेरिका द्वारा अपने वीटो के इस्तेमाल की आलोचना करती है। एक प्रेस विज्ञप्ति में एमनेस्टी ने कहा, रिपोर्ट ब्रिटेन और जर्मनी जैसे यूरोपीय देशों के विचित्र दोहरे मानकों को भी उजागर करती है, रूस और हमास द्वारा युद्ध अपराधों के बारे में उनके सुस्थापित विरोध को देखते हुए, साथ ही वे इस संघर्ष में इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों की कार्रवाइयों का समर्थन करते हैं। वैश्विक मानवाधिकार स्थिति में गिरावट के लिए यूक्रेन में युद्ध का बहुत बड़ा योगदान है। रिपोर्ट में कहा गया है, रूसी और यूक्रेनी दोनों सेनाओं ने अपने नागरिकों के लिए स्थायी जोखिमों के बावजूद क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल किया। कैलमार्ड ने कहा, एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट चिंताजनक मानवाधिकार दमन और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय नियम-तोड़ने की निराशाजनक तस्वीर पेश करती है, यह सब गहरी होती वैश्विक असमानता, सर्वोच्चता के लिए होड़ करने वाली महाशक्तियों और बढ़ते जलवायु संकट के बीच है।

पहली बार अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी जाएंगे प्रधानमंत्री सुनक

बर्लिन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक पदभार संभालने के 18 महीने बाद बुधवार को पहली बार बर्लिन जाएंगे। अपने जर्मन समकक्ष ओलाफ स्कोल्ज के साथ उनकी बैठक यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता और गाजा में युद्ध पर केंद्रित होगी। इसके साथ ही रवांडा के साथ विवादास्पदब्रिटिश शरण संधि पर भी चर्चा होने की संभावना है जिसे ब्रिटिश संसद ने मंगलवार को मंजूरी दी थी। ब्रिटेन चार साल से अधिक समय से यूरोपीय संघ का सदस्य नहीं है, लेकिन फिर भी यह नाटो जी7 और जी20 में जर्मनी के सबसे महत्वपूर्ण सहयोगियों में से एक है। यह देश यूक्रेन का सबसे महत्वपूर्ण यूरोपीय हथियार आपूर्तिकर्ता है और इसने हाल ही में बड़ी मात्रा में नई सैन्य सहायता देने का वादा किया है। जर्मनी में ब्रिटिश शरण संधि ने काफी ध्यान आकर्षित किया है और इसकी आलोचना भी हुई है। वैध कागजात के बिना ब्रिटेन पहुंचने वाले, शरण चाहने वालों को भविष्य में तुरंत पूर्वी अफ्रीकी देश में निर्वासित किया जा सकता है और वे वहां शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

चीन ने अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन के लिए नए साझेदारों की घोषणा की

वुहान। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) ने बुधवार को घोषणा की कि अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (आईएलआरएस) के निर्माण और संचालन में एक देश और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों सहित अधिक भागीदार भाग लेंगे। चीन द्वारा शुरू किए गए आईएलआरएस कार्यक्रम की इस नवीनतम प्रगति का खुलासा मध्य चीन के हुबेई प्रांत के वुहान में चीन के अंतरिक्ष दिवस के शुभारंभ समारोह में किया गया। आईएलआरएस के नए साझेदारों में निकारागुआ, एशिया-प्रशांत अंतरिक्ष सहयोग संगठन तथा अरब संघ खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान शामिल हैं। सीएनएसए के अनुसार, चीन आईएलआरएस से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर इन तीन पक्षों के साथ सहयोग करेगा, जिसमें इसके प्रदर्शन, इंजीनियरिंग कार्यान्वयन, संचालन और प्रयोग शामिल हैं। सीएनएसए के अधिकारियों ने तीनों पक्षों के संबंधित अधिकारियों के साथ आईएलआरएस पर सहयोग पर समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन का निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा, स्टेशन का बुनियादी मॉडल लगभग 2030 तक पूरा होने की उम्मीद है। सीएनएसए के अनुसार अनुसंधान स्टेशन अल्पकालिक मानवीय भागीदारी के साथ लंबी अवधि के लिए स्वायत्त रूप से संचालित होगा। चीन में 24 अप्रैल,1970 को अंतरिक्ष में अपने पहले उपग्रह डोंगफैंगहोंग -1 के प्रक्षेपण के उपलक्ष में 24 अप्रैल को देश के अंतरिक्ष दिवस के रूप मनाया जाता है।

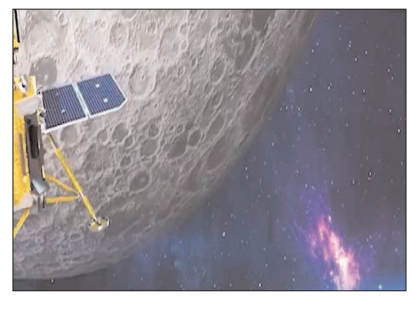

एक नजर

दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चैंपियनशिप में भारत की कमान संभालेंगे प्रज्ञा मोहन, मुरलीधरन सिनिमोल

नई दिल्ली। प्रज्ञा मोहन और आदर्श मुरलीधरन सिनिमोल 27 अप्रैल को नेपाल के पोखरा में एशिया ट्रायथलॉन कप के साथ आयोजित होने वाली 2024 दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चैंपियनशिप में एक मजबूत भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। प्रतियोगिता एक स्प्रिंट दौड़ है जिसमें 750 मीटर तैराकी, 20 किमी साइकिल और 5 किमी दौड़ शामिल है। भारत ने पिछले संस्करण में पोडियम स्थान हासिल किया था, जिसमें देश की सबसे प्रसिद्ध महिला ट्रायथलीट प्रज्ञा ने अपना लगातार तीसरा दक्षिण एशियाई खिताब जीता था, जबकि महिलाओं की समग्र श्रेणी में नौवां स्थान भी हासिल किया था। महाराष्ट्र की संजना जोशी और मानसी मोहिते की जोड़ी, जिन्होंने पिछले साल गुजरात की प्रज्ञा के बाद क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता था, महिला एलीट क्षेत्र में 13 भारतीय एथलीटों का हिस्सा हैं। सर्विसेज के मुरलीधरन सिनिमोल, जो पिछले साल तीसरे स्थान पर रहे थे, 2022 में विजेता थे, और पुरुषों के एलीट क्षेत्र में भारत के प्रभारी थे, जिसमें तेलहेइबा सोरम और क्षेत्रिमायुम कबिदश सिंह की होनहार मणिपुर जोड़ी शामिल है।

इटालियन कप फाइनल में पहुंचे जुवेंटस

रोम,एजेंसी। जुवेंटस ने सेमीफाइनल में लाजियो पर 3-2 के कुल स्कोर से जीत के साथ इटालियन कप फाइनल में जगह बनाई। 83वें मिनट में स्थानापन्न के रूप में आने के बाद अर्काडियुज़ मिलिक ने कुछ सेकंड बाद गोल करके ओल्ड लेडी को स्टैडियो ओलम्पिको में भेजा। रोम में मैच के 12 मिनट बाद लाजियो के वैलेन्टिन कैस्टेलानोस ने बढ़त बनाई और हाफ टाइम के तीन मिनट बाद टाई में अपना दूसरा गोल जोड़ा। दूसरा चरण 2-1 से हारने के बावजूद, मासिमिलियानो एलेग्री की टीम आगे बढ़ी। ट्यूरिन में पहला चरण 2-0 से हारने के बाद, लाजियो को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद थी जब कैस्टेलानोस ने एक कॉर्नर पर हैडर से गोल कर दिया। स्ट्राइकर ने ब्रेक के ठीक बाद मटिया पेरिन से आगे एक नीचा शॉट गोल में ड्रिल करके, मंगलवार रात को लाजियो को 2-0 से आगे कर दिया, और कुल स्कोर पर बराबरी कर ली। जैसे ही खेल अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था, पोलैंड के अंतर्राष्ट्रीय मिलिक ने एक खाली गोल में गेंद पहुंचकर जुवे को फियोरेंटीना या अटलांटा के खिलाफ फाइनल में पहुंचा दिया। खिलाड़ियों ने अंतिम सीटी बजने पर यह जानते हुए जश्न मनाया कि 18 मई को कप फाइनल में उनकी उपस्थिति न केवल इस अभियान में ट्रॉफी का सपना जीवित रखती है बल्कि अगले सीजन में इटालियन सुपर कप तक पहुंच की गारंटी भी देती है।

स्टॉयनिस ने न सिर्फ़ पावर हिटिंग की बल्कि स्मार्ट बैटिंग भी की: केएल राहुल

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स पर लगातार दो जीत हासिल करने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल ने इस जीत को विशेष बताया है और इसका श्रेय पूरी तरह मार्कस स्टॉयनिस को देते हुए कहा कि उन्होंने ना सिर्फ़ पावर हिटिंग की बल्कि स्मार्ट बैटिंग भी की। राहुल ने मैच के बाद कहा, ऐसे मैच को जीतना हमेशा ही बहुत विशेष होता है। दोनों टीमों ने कम से कम 210 के स्कोर बनाए। हम अधिकतर समय मैच में पीछे थे, इसलिए यह जीत और भी विशेष हो जाती है। इसका पूरा श्रेय स्टॉयनिस को जाता है। उन्हें बाहर से बल्लेबाज़ी करते देखना सुखद था। उन्होंने ना सिर्फ़ पावर हिटिंग की बल्कि स्मार्ट बैटिंग भी की। उन्होंने कहा, चेन्नई ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। मुझे नहीं लगा था कि ये पिच दो सौ वाली है। उन्होंने हमारे गेंदबाजों पर

दबाव बनाया और फिर जिस तरह से स्टॉयनिस ने बल्लेबाजी की, वह काबिल ए तारीफ है। स्टॉयनिस को ऊपर भेजने के पीछे हमारी योजना यही थी कि पावरप्ले में हमें एक पावर हिटर की ज़रूरत थी। पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल का प्रारूप बदला है। मैं अपने गेम पर काफ़ी काम कर रहा हूं। पिछले कुछ समय से मैंने टी ट्वेंटी क्रिकेट नहीं खेली है लेकिन मैं काफ़ी काम कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं आज के कैच के लिए कैच ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड जीतूंगा। पिछले पांच मैचों में तीन हार के बाद चेन्नई अंक तालिका में पांचवें स्थान पर खिसक गया है, जबकि टूर्नामेंट में पांचवीं जीत के बाद लखनऊ अब चौथे स्थान पर है।

पूर्व पहलवान नरसिंह यादव डब्ल्यूएफआई एथलीट पैनल के अध्यक्ष चुने गये

वाराणसी। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह पंचम यादव बुधवार को यहां भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया जिससे खेल की विश्व संचालन संस्था द्वारा अनिवार्य की गयी प्रक्रिया भी पूरी हो गयी। आयोग के सात स्थानों के लिए कुल आठ दावेदार दौड़ में थे और मतदान के बाद सात सदस्यों को चुना गया। इसके बाद उन्होंने आयोग के अध्यक्ष पद के लिए नरसिंह को चुना। 2016 ओलंपिक से पहले टीम के सदस्य नरसिंह सुर्खियों में आ गये थे जब ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार ने उनके खिलाफ एक ट्रायल मुकाबले का अनुरोध किया था जबकि वह चोट के कारण क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में नहीं खेल पाये थे। सुशील ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उनकी अपील खारिज होने के बाद पुष्टि हो गयी कि नरसिंह ही रियो ओलंपिक जायेंगे। लेकिन हैरानी की बात रही कि नरसिंह ओलंपिक से पहले करायी गयी दो डोप जांच में विफल हो गये थे जिससे खेल पंचाट ने उन्हें चार साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें यह कहते हुए पाक साफ करार कर दिया था कि वह साजिश के कारण डोप जांच में पॉजिटिव आये थे। खेल पंचाट का फैसला नरसिंह के शुरूआती मुकाबले से एक दिन पहले ही आया था जिससे वह रियो से बिना खेले ही वापस लौट आये थे। उनका प्रतिबंध जुलाई 2020 को खत्म हुआ और उन्होंने कहा कि था कि यह घटनाक्रम साजिश का हिस्सा था।

आखिरी गेंद पर दिल्ली कैपिटल्स जीती, गुजरात टाइटंस को चार रन से हराया

नई दिल्ली,एजेंसी। ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों की दमदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 40वें मैच में गुजरात टाइटंस को चार रन से हरा दिया है। 225 रनों के लक्ष्य का पीछ करते हुए गुजरात ने आखिरी गेंद तक संघर्ष दिखाया। राशिद खान आखिर गेंद पर छक्का लगाने से चुके और दिल्ली को चार रन से जीत हासिल हुई। दिल्ली यह नौ मैचों में चौथी जीत है। ऋद्धिमान साहा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने गुजरात के लिए तेजी से रन बनाने का प्रयास किया। इसी दौरान एनरिक नॉर्टिज दूसरे ओवर में गिल (6) रन को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद साहा ने साई सुदर्शन के दूसरे विकेट के लिये 82 रन जोड़े। साहा को कुलदीप ने आउट किया। साहा ने 25 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 39 रन बनाये। 11वें ओवर में अमतउल्लाह उमरजई (1) रन पर आउट हुये। उसके बाद डेविड मिलर ने कमान संभाली। साई सुदर्शन ने 39 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक 65 रन बनाये। वहीं मिलर ने 23 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 55 रनों की अहम पारी खेली। शाहरुख खान (8), राहुल तेवतिया (4), साई किशोर (13) रन बनाकर आउट हुये। राशिद खान 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की टीम निधारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी और मुकाबला चार से हार गई। गुजरात की नौ मैचों में यह पांचवी हार है।

दिल्ली की ओर से रसिख सलाम ने तीन विकेट लिये। कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। एनरिक नॉर्टिज, मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले कप्तान ऋषभ पंत नाबाद (88) और अक्षर पटेल (66) की शानदार पारियों के दम

पर दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को गुजरात टाइटंस को जीत के लिए 225 रनों का लक्ष्य दिया है। आज यहां अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली मुकाबले की शुरुआत चौके से करते हुये अपने इरादे को जाहिर कर दिया। चौथे ओवर में वॉरियर ने नूर के हाथों जेक फ्रेजर को आउट कराकर गुजरात को पहली सफलता दिलायी। फ्रेजर 14 गेंदों में 23 रन बनाये। उसके बाद पृथ्वी शॉ (11) और शो हॉप (5) रन बनाकर आउट हो गये। अक्षर पटेल और ऋषभ पंत ने पारी को संभाला। अक्षर पटेल ने 43 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 66रनों की पारी खेली। उन्हें 17वें ओवर में नूर ने साई किशोर के हाथों कैच आउट कराया। पंत ने 43 गेंदों में पांच चौके और आठ छक्के लगाते हुए नाबाद 88 रनों की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स सात गेंदों में 26 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 224 रन का स्कोर खड़ा किया। गुजरात टाइटंस की ओर से संदीप वॉरियर ने तीन विकेट लिये और नूर अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

क्रिकेट के भगवान सचिन के 51वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों का लगा तांता

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बुधवार को अपना 51वां जन्मदिन मना रहे हैं, ऐसे में सोशल मीडिया पर हार्दिक शुभकामनाएं देने वालों का सैलाब उमड़ रहा है। 2014 में भारत रत्न से सम्मानित सचिन तेंदुलकर 200 टेस्ट में 15,921 रन के अलावा 463 वनडे मैचों में 18,426 रन बनाने वाले अनुभवी खिलाड़ी हैं।

वह 1992 से वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन पिछले पांच मौकों पर चूकने के बाद विश्व कप जीतने के अपने अंतिम सपने को पूरा करने के लिए उन्हें 2011 तक इंतजार करना पड़ा। तेंदुलकर 100 शतक बनाने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं। उनके 100 अंतर्राष्ट्रीय शतकों में से 51 टेस्ट में और 49 वनडे में आए। उन्होंने 2012 में वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया और एक साल बाद नवंबर 2013 में, उन्होंने अपना 200 वां टेस्ट खेलने के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेकर खेल को अलविदा कह दिया। उनकी सेवानिवृत्ति ने भारतीय क्रिकेट में एक युग का अंत कर दिया, और अपने पीछे एक ऐसी विरासत छोड़ी जो दुनिया भर के महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को प्रेरित करती रही। उनके 51वें जन्मदिन के अवसर पर, खेल जगत ने उन्हें ढेर सारा प्यार दिया और तेंदुलकर के अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना की। भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, जन्मदिन मुबारक हो पाजी! मैदान पर गेंदबाजों की धुनाई करने से लेकर जीवन के लक्ष्यों को ध्वस्त करने तक, आप ही वह कारण हैं जिससे मैंने जीवन में और कभी-कभी मैदान पर भी ऊंचे लक्ष्य बनाना सीखा। आपको ढेर सारा प्यार। भारत के पूर्व स्पिन मास्टर हरभजन सिंह ने कहा, हैप्पी बर्थडे पाजी । आपको ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं भेज रहा हूं.. आपका दिन शानदार रहे। हम सभी को जल्द ही मिलना चाहिए और आपका जन्मदिन मनाना चाहिए और हमारे पसंदीदा गाने गिली गिल्ली लोंडा (मिल्खा सिंह फिल्म का एक गाना) पर डांस करना चाहिए। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने लिखा, क्रिकेट के दिग्गज को जन्मदिन की शुभकामनाएं क्योंकि वह आज 51 वर्ष के हो गए! उन्होंने बल्ले से अपनी वीरता और मैदान के अंदर और बाहर चरित्र के बेदाग प्रदर्शन से दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। मास्टर ब्लास्टर को हार्दिक शुभकामनाएं ! इरफ़ान पठान ने लिखा, जब सचिन तेंदुलकर शानदार स्ट्रेट ड्राइव खेला करते थे तो मुझे नॉन-स्ट्राइकर छोर पर खड़े होने का सौभाग्य मिलता था। यह कहानी मेरे पोते-पोतियों को सुनाई जाएगी। आपका जन्मदिन खुशियों, स्वास्थ्य और प्रचुरता के साथ मंगलमय हो करिश्मा जिसे आप हर समय अपने साथ रखते हैं, जन्मदिन मुबारक हो पाजी। मोहम्मद कैफ ने लिखा, सचिन पाजी, आप हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे। आपकी कृपा और विनम्रता से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आपका दिन मंगलमय हो। पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने भी मास्टर ब्लास्टर को जन्मदिन की बधाई दी, उस व्यक्ति को जिसने मैदान पर और बाहर महानता को परिभाषित किया, जन्मदिन मुबारक हो! आपने अपनी प्रतिभा और विनम्रता से पीढ़ियों को प्रेरित किया है। आशा है आपका जन्मदिन मंगलमय हो और यह वर्ष सफलता और खुशियों से भरा हो!

ऐसा बल्लेबाजी संयोजन ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं जो आईपीएल के अंतिम छोर में अच्छा करे: फ्लेमिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बल्लेबाजी विभाग की अपनी समस्याओं को जल्दबाजी से निपटाने की कोशिश में नहीं जुटा है और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग आठ मैच में चौथी हार के बावजूद डेरिल मिचेल को शीर्ष तीन बल्लेबाजी क्रम में सामंजस्य बिठाने के लिए समय देने को तैयार हैं। सीएसके पूरे सत्र में शीर्ष तीन क्रम में बल्लेबाजों को उतारने में जूझता रहा है। मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अजिंक्य रहाणे और रूतुराज गायकवाड़ पारी का आगाज करने उतरे जबकि मिचेल को पांचवें से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया।

पिछले मैच में रहाणे और रचिन रविंद्र को खिलाने के लिए गायकवाड़ को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करायी गयी। घरेलू सरजमीं पर लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि उन्हें अपना बल्लेबाजी संयोजन सही करने की जरूरत है। फ्लेमिंग ने अपने ही मैदान पर मिली सत्र की पहली हार के बाद कहा, यह सही संयोजन और फॉर्म ढूंढने की कोशिश का मिश्रण है। हम कुछ विभाग में थोड़े से असहज हैं इसलिये हम कोशिश कर रहे हैं कि इसका फुर्ती से हल नहीं निकाला जाये बल्कि सही संयोजन ढूंढा जाये जिसमें खिलाड़ी टूर्नामेंट के अंतिम छोर में टीम के लिए योगदान कर सकें। मिचेल को नीलामी में 14 करोड़ रुपये में खरीदा गया था, उन्होंने सात पारियों में कुल 146 रन बनाये है। फ्लेमिंग ने जोर दिया कि न्यूजीलैंड के साथी खिलाड़ी के

लिए तीसरा नंबर बल्लेबाजी के लिए आदर्श स्थान है। उन्होंने कहा, इस स्थान पर काफी दबाव होता है, निश्चित रूप से उसके लिए ऊपरी बल्लेबाजी क्रम ज्यादा सहज होगा। मैंने हिट करने की भूमिका निभाने के लिए उसे निचले स्थान पर भेजा जो उसका सर्वश्रेष्ठ स्थान नहीं है। फ्लेमिंग ने कहा, इसलिये हमने उसे सुधारने की कोशिश की और बल्लेबाजी क्रम में ऊपर की ओर भेजा जहां उसका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। इसमें थोड़ा समय लग सकता है लेकिन शीर्ष तीन बल्लेबाजों को ज्यादातर रन बनाकर योगदान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, रूतुराज ने आज ऐसा किया इसलिये उम्मीद करते हैं कि वह अपनी यही फॉर्म जारी रखे और अन्य भी उससे प्रेरित हों।''

आरसीबी के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद की निगाहें फिर से रनों का अंबार लगाने पर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम जब गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में निचले पायदान पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी निगाह फिर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए रनों का अंबार लगाने की होगी। इस आईपीएल चरण में तीन बार 250 रन का आंकड़ा पार कर चुकी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने तूफानी बल्लेबाजी दिखायी है, इसमें मुंबई इंडियंस उसका सबसे पहला शिकार बनी और फिर बेंगलुरू में 2016 की विजेता टीम ने आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया।

इतना ही काफी नहीं था कि एसआरएच ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पावरप्ले में बिना विकेट गंवाये 125 रन का रिकॉर्ड बनाने के साथ आईपीएल में पहली बार 300 रन पार करने की संभावना भी बना दी थी। और गुरुवार को भी अगर एसआरएच कुछ रिकॉर्ड बना दे तो हैरानी नहीं होगी और वो भी आरसीबी के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ, जिसकी संभावना काफी ज्यादा है। आरसीबी के गेंदबाजी विभाग का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उसका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज यश दयाल सात विकेट से सूची में 24वें स्थान पर है। आठ में से सात मैच गंवाकर तालिका में निचले स्थान पर काबिज आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच में कम से कम 180 रन लुटाये हैं और पिछले दो मैच में प्रतिद्वंद्वी टीम ने उसके खिलाफ 200 से ज्यादा रन का स्कोर खड़ा किया

है। आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों की भरपायी करने के लिए काफी मशक्कत की है लेकिन संतुलन के मामले में इतनी कमजोर टीम के लिए हरफनमौला प्रदर्शन दिखाना असंभव ही दिखता है। आरसीबी ने बल्लेबाजी में शानदार जज्बा दिखाया लेकिन इसके बावजूद वे कोलकाता नाइट राइडर्स से महज एक रन से हार गये। हालांकि आरसीबी प्रबंधन उनके एकजुट बल्लेबाजी प्रयास से काफी संतुष्ट होगा। विराट कोहली टूर्नामेंट में अब तक आरसीबी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बने रहेंगे जिन्होंने 379 रन बनाकर ओरेंज कैप अपने पास रखी हुई है। कोहली के अलावा कुछ और खिलाड़ी भी शानदार फॉर्म में हैं जिसमें एसआरएच के ट्रेविस हेड शामिल हैं। हेड आक्रामक होकर बल्लेबाजी करते हैं और मिले हर मौके का फायदा उठाते हैं। अभिषेक शर्मा ने भी हेड के साथ अच्छी बल्लेबाजी दिखायी है और हेनरिच क्लासेन ने भी इस सत्र में बल्ले से अच्छा योगदान दिया है। एसएआरएच की मजबूत बल्लेबाजी ने उनके गेंदबाजों और कप्तान पैट कमिंस का काम आसान कर दिया है। एसआरएच सात मैच में 10 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर बनी हुई है।

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुई स्वीयाटेक

मैड्रिड। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है। डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी। स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, %%वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं, इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी। उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने यूरोपीय ओलम्पिक क्वालीफायर के सेमीफाइनल मुकाबले में शामिल रेफरी को निलंबित किया

कॉर्सियर-सुर-वेवे (स्विट्जरलैंड)। विश्व कुश्ती संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) अनुशासनात्मक चैंबर ने यूरोपीय ओलंपिक गेम्स क्वालीफायर में इटली के फ्रैंक चामिज़ो और अजरबैजान के तुरान बायरामोव के बीच 74 किग्रा सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान कथित उल्लंघन के लिए रेफरी निकाय और रेफरी प्रतिनिधियों को निलंबित करने का फैसला किया है। यूरोपीय क्वालीफायर 5-7 अप्रैल तक बाकू में आयोजित किए गए थे।

बायरामोव ने मानदंड के आधार पर सेमीफाइनल मुकाबला 8-8 से जीता और अजरबैजान के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा अर्जित किया। हालाँकि, इटालियन रेसलिंग फेडरेशन ने मुकाबले के दौरान रेफरी की कई गलतियों और एक विवादित चुनौती निर्णय के बारे में शिकायत की, जिसके बारे में माना जाता है कि इससे मैच का अंतिम स्कोर और परिणाम गलत हो जाता। सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान, रोमन पावलोव मैट पर रेफरी थे, अली एम. साईवान जज थे और अलेक्सी बाजुलिन बाजुलिम मैट चेयरमैन थे। रेफरी प्रतिनिधिमंडल में कामेल बौअज़िज़, इब्राहिम सिसिओग्लू और केसी गोएसल शामिल थे। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने अपने बयान में

कहा,अनुशासनात्मक चैंबर ने पावलोव और सिसिओग्लू दोनों को 31 दिसंबर, 2024 तक उनके सभी कर्तव्यों से निलंबित करने का निर्णय लिया है। साईवान को 30 सितंबर, 2024 तक उनके सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया है। मुकाबले के लिए मैट चेयरमैन बाजुलिन को 30 जून , 2024 तक उनके सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया है और रेफरी प्रतिनिधिमंडल के शेष दो सदस्यों बौअज़िज़ और गोएसल को 30 जून, 2024 तक उनके सभी कर्तव्यों से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है, प्रतिबंधों के बावजूद, बायरामोव मुकाबले का विजेता बना हुआ है क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती नियमों के अनुच्छेद 53 के अनुसार, किसी भी परिस्थिति में मैट पर जीत की घोषणा के बाद मैच के परिणाम को संशोधित नहीं किया जा सकता है।

एक नजर

भाजपा मोदी की झूठी गारंटी के नाम पर देश को कर रही है भ्रमितः पटवारी

भोपाल,एजेंसी। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज आरोप लगाते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झूठी गारंटी के नाम पर देश को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। श्री पटवारी ने आज इंदौर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम की नामांकन रैली को संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। नेतागण झाबुआ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया की नामांकन रैली में भी सम्मिलित हुए। साथ ही धार लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी राधेश्याम मूवेल की नामांकन रैली में श्री पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री यादव, राज्यसभा सदस्य श्री तन्खा के साथ नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार भी शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। श्री पटवारी ने कहा कि उनका जनता से अनुरोध है कि कांग्रेस पार्टी का समर्थन करें और मोदी की झूठी गारंटी के नाम पर देश को भ्रमित करने वाली भाजपा को आईना दिखाएं। भाजपा संविधान और लोकतंत्र को समाप्त करने के लिए कुचक्र तैयार कर रही है, लेकिन देश की जनता इनके मंसूबे पूरे नहीं होने देगी। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि श्री मोदी ने जो गारंटियों विधानसभा के चुनाव के वक्त जनता को दी थीं उनका हिसाब किताब करने का वक्त अब आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने जमकर इस दस साल में भ्रष्टाचार किया, इलेक्टोरल बांड्स के जरिए शराब माफियाओं से चंदा लेकर उन्हें राहत पहुंचाई गई, अब श्री मोदी दस साल बाद महंगाई व बेरोजगारी की बात न करके मांस, मटन, मुसलमान, माओवादी, मंगलसूत्र इत्यादि की बातें कर जनता को फिर से गुमराह करना चाहते हैं। श्री पटवारी ने कार्यकर्ताओं एवं जनता से आग्रह किया कि भविष्य की परिस्थितियों को मन में रखकर लड़ाई सभी कार्यकर्ता लड़ें ताकि सरपंच से सांसद तक निर्वाचन के चुनाव में प्रतिनिधि को चुनने का अधिकार आपके ही पास रहे। भाजपा यदि लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है तो लोकतंत्र को बचाने की जिम्मेदारी हम सब की है। इस बात को हम सबको ध्यान में रखकर चुनावी लड़ाई लड़नी है। श्री पटवारी ने जनता से आग्रह किया कि परिवर्तन की हुंकार भरते हुए कांग्रेस के प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाएं और लोकतंत्र एवं वोट का अधिकार बचाने के इस चुनाव में अपना योगदान दें।

भाजपा पहले मतदान के बाद आ गई हैं बैक फुट पर-पायलट

टोंक,एजेंसी। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने इस लोकसभा चुनाव को बदलाव का चुनाव बताते हुए कहा है कि प्रदेश में पहले चरण के मतदान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बैक फुट पर आ गई है, इसलिए इनकी बातें प्रखर हो गई और मंगल सूत्र, मुसलमान, मस्जिद और मंदिर ये सब बातें होने लगी है। श्री पायलट बुधवार को टोंक लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आयोजित कार्यकर्तृता संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बदलाव का चुनाव है। लोग दस साल की भाजपा की सरकार के रिपोर्ट कार्ड देखकर अपना वोट डालेंगे। देश में पहले चरण में लगभग 102 सीटों पर चुनाव हो गया। राजस्थान में वोट पड़ गए पहले चरण के मतदान के बाद यह बात तो स्पष्ट है कि भाजपा पूरे बैक फुट पर है। उन्होंने कहा कि भाषणों में देखा जा रहा है कि पहले चरण के मतदान के बाद जो भाषण है, जो बातें कही जा रही हैं वह सुनकर लगता है कि कहीं ना कहीं कुछ चक्कर है क्योंकि जो बातें बोल रहे हैं, पहले बोलते थे लेकिन इतना प्रखर नहीं बोलते थे। मंगलसूत्र, मुसलमान, मस्जिद, मंदिर और ये सब बातें जो हो रही है, अब वह विकसित भारत, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यक, आदिवासी, महिलाओ, नौजवान, किसान की कृषि के निवेश, शिक्षा एवं चिकित्सा की बातें नहीं कर रहे हैं। इसका मतलब है कि कहीं ना कहीं देश में जो शुरूआत है बदलाव की, वह चरम पर आ गई है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आने वाले समय में यह लगातार और चरणों में भाजपा के खिलाफ वोट पड़ेगा। उन्होंने कहा मैं कल केरल में था उससे पहले उत्तराखंड अलग-अलग राज्यों में गया हूं। मैं देख रहा हूं कि जो इंडिया गठबंधन का जो चुनाव है। अलग-अलग दल हम सब साथ चुनाव लड़ रहे हैं वह बहुत ताकत से आगे बढ़ रहा है और इस चुनाव में हम लोगों को ध्यान देना पड़ेगा। कुछ लोग कोशिश करेंगे चुनाव को बांधने की जाति, गोत्र, भाषा एवं धर्म में लेकिन हमें शुद्ध रूप से काम और विकास की बात करनी चाहिए।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा गरीब को गणेश मानकर करती है सेवा-भजनलाल शर्मा

प्रतापगढ़,एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब कल्याण, विकास, सीमा सुरक्षा तथा दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने के लिए काम करते हैं और उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गरीब को गणेश मानकर सेवा का कार्य कर रही है। श्री शर्मा बुधवार को प्रतापगढ़ के धमोत्तर में भाजपा प्रत्याशी सी पी जोशी के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केवल घोषणाएं करते हैं और उन्हें भूल जाते हैं। उन्होंने अपने पूर्व कार्यकाल में किसानों की कर्जमाफी, युवाओं को 3500 रुपये का बेरोजगारी भत्ते जैसी विभिन्न घोषणाएं की थी लेकिन इनमें से कुछ भी धरातल पर मूर्त रूप नहीं ले सकी। उन्होंने कहा कि हम घोषणा नहीं संकल्प करते हैं तथा संकल्प पत्र में जनता से किए 45 प्रतिशत वादे अब तक पूरे भी कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश को भ्रष्टाचार, आतंकवादी घटनाएं, तुष्टिकरण की राजनीति और घोटालों का आए दिन सामना करना पड़ता था। जनता का राजनैतिक लोगों से विश्वास उठ गया था लेकिन श्री मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में परिस्थितियां बदलीं तथा देश विकास

के पथ पर अग्रसर होता चला गया। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने घर-घर शौचालय, किसान सम्मान निधि, हर घर नल से जल, उज्ज्वला योजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों से माताओं, बहनों, किसानों सहित सभी वर्गों को राहत पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से हर गांव में सड़क का निर्माण कराया था, जिससे आज गांवों में आवागमन सुलभ हो सका है। श्री शर्मा ने कहा कि सरकार बनने के महज साढ़े तीन महीने के कार्यकाल में ही हमारी सरकार ने पेपरलीक के दोषी और आरोपियों पर कार्रवाई की है। पेपरलीक पर रोकथाम के लिए एसआईटी का गठन किया और अब तक 97 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने आश्वस्त किया कि युवाओं के सपनों पर कुठाराघात करने वाले इन प्रकरणों में लिप्त बड़े से बड़े व्यक्ति को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। यहां गैंगवार को रोकने तथा राज्य के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा देने के लिए एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स गठित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार के गठन के तीन महीने में कई काम किए गए हैं और संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से लूट, झूठ और जातिवाद की राजनीति की है जबकि श्री मोदी ने कोरोना महामारी के दौरान सभी जाति, वर्गों के 140 करोड़ लोगों की सेवा की। श्री शर्मा ने जनता से 'पहले मतदान-फिर जलपान' की अपील करते हुए कहा कि देश का सम्मान तथा गौरव बनाए रखने और देश के विकास के लिए हम सभी को मतदान करना है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2014 एवं 2019 की तरह इस बार भी भाजपा राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटें जीतेगी।

कांग्रेस मेहनत से कमाया धन छीनना चाहती है- यादव

सागर,एजेंसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि कांग्रेस देश के गरीबों, पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों सहित हम सबका मेहनत से कमाया हुआ धन छीनना चाहती है। यह लोकतंत्र में कभी नहीं हो सकता।

डॉ यादव ने सागर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश और देश के 140 करोड़ लोगों की चिंता करने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। वे भारत को मान-सम्मान दिलाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हनुमानजी का जीवन सदैव त्याग करने एवं दूसरों को देने के लिए रहा वैसे ही प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी अपना पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित कर दिया। जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने अपने वेतन, भत्तों की राशि भी अपने कर्मचारियों के बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के लिए दान कर दी। उन्होंने अपने लिए कभी कुछ नहीं किया। जो भी वेतन, भत्तों की राशि आती है उसे अब गंगा मैया की सेवा में लगा रहे हैं। उन्होंने अपने लिए एक मकान तक नहीं बनाया, लेकिन देश के गरीबों को 4 करोड़ से अधिक आवास बनाकर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सागर की धरती पर भी एक ऐसे ही सर डॉ हरिसिंह गौर का जन्म हुआ था, जिन्होंने अपनी पूरी संपत्ति एक विश्वविद्यालय के लिए दे दी और आज उस विश्वविद्यालय का नाम पूरी दुनिया में है। उन्होंने कहा कि भाजपा हर वर्ग के लोगों से प्रेम करती है। हम गरीबों, आदिवासियों, मुसलमानों सभी से प्रेम करते हैं, तभी तो देश के सर्वोच्च पदों पर इन्हें बैठाते हैं। यह काम कांग्रेस की सरकार में कभी नहीं हुआ। उन्होंने कभी किसी आदिवासी को, किसी मुसलमान को देश का राष्ट्रपति नहीं बनाया। हम गरीबों से प्रेम करते हैं, इसलिए गरीब घर से निकले हुए व्यक्ति यहां पर प्रधानमंत्री बनते हैं, मुख्यमंत्री बनते हैं। यह काम सिर्फ भाजपा और प्रधानमंत्री श्री मोदी ही कर सकते हैं। कांग्रेस के लोग तो एक-दूसरे को आपस में लड़ाते रहते हैं और इसी आधार पर उनकी राजनीति चलती है। यह काम वे वर्षों से करते आ रहे हैं।

देश की गति के साथ झारखंड को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को यहां से पूरा समर्थन मिलना चाहिएः वीके सिंह

रांची,एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह बुधवार को पलामू में एनडीए प्रत्याशी वीडी राम के नामांकन में शामिल हुए। वहां आयोजित विशाल जनसभा को उन्होंने संबोधित किया। इस अवसर पर जनरल वीके सिंह ने कहा कि पलामू से एनडीए प्रत्याशी वीडी राम को भारी मतों से जिताना है, ताकि उन्हें दिल्ली में और जिम्मेदारी का पद मिले। उन्होंने कहा कि देश की गति के साथ झारखंड को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को यहां से पूरा वर्चस्व मिलना चाहिए। झारखंड की सभी 14 सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत होनी चाहिए। जनरल सिंह ने कहा कि पीएम का सपना है कि भारत में सड़क, रेल का जाल बिछे। घर-घर बिजली पहुंचे। सड़कों का जाल बिछा है। सड़कें अभी भी बन रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व फौजी जनरल एक छोटी सी अपील करने यहां आया है। पलामू के प्रत्याशी वीडी राम को इतना बहुमत से विजयी बनाकर दिल्ली भेजें कि लोग चकित रह जाए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब झारखंड में एक दो महीने में नए ब्रिज गिर जाते थे। अब ऐसा नहीं होता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि इस बार भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन की सरकार बनेगी। पलामू से इस बार 10 प्रतिशत ज्यादा वोट पड़ना चाहिए। कमल निशान का बटन दबाकर वीडी राम को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाना है।

उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार में हुए विकास का कार्य किसी से छिपा नहीं है। प्रधानमंत्री गांव, गरीब, महिला, युवा सबकी चिंता करते हैं। सबके लिए काम किया है। प्रधानमंत्री ने गरीबों को घर दिया है। गैस दिया है। गरीब भूखे नहीं सोए, इसके लिए उन्हें मुक्त राशन दिया जा रहा है। यह अगले 5 साल तक जारी रहेगा। बीमार होने पर अच्छे अस्पताल में इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री ने आयुष्मान कार्ड भी दिया है। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड अलग राज्य भाजपा की देन है। कांग्रेस, राजद, झामुमो ने कभी झारखंड के लोगों का सम्मान नहीं किया। झारखंड अलग राज्य का आंदोलन वर्षों से चल रहा था। कांग्रेस ने इस आंदोलन को खरीदने देने का काम किया। झामुमो सहित अन्य दल कांग्रेस के हाथों में बिक गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार ने कोयला, लोहा, सबको लुटवाया। बालू तक को नहीं छोड़ा। काम के लिए बालू लेकर जाने लोगों पर एफआईआर किया जाता है। सरकार के लोग अपनी तिजोरी भरकर बालू को बाहर भेज रहे हैं। उन्होंने पहाड़ तक को समाप्त कर दिया है। सेना की जमीन तक को लूटा है। इसकी वजह से आज हेमंत सोरेन जेल में बंद है। पलामू सांसद वीडी राम ने कहा भाजपा की नीति और कार्यक्रम में कोई भेदभाव नहीं होता है। योजनाओं का लाभ हर वर्ग और जाति के लोगों को मिलता है। वर्ष 2014 से पहले शाम 5 बजे के बाद क्षेत्र में डर और भय का वातावरण रहता था। भाजपा की सरकार आने पर नक्सलियों पर नकेल कसने का काम किया गया। आज निर्भय होकर लोग आते-जाते हैं। वर्तमान सरकार में चारों तरफ भ्रष्टाचार है।

भाजपा चुनाव में बनेगी इतिहास, इंडिया गठबंधन में लोगों को दिख रहा भविष्यः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पहले चरण में पश्चिम से जो हवा चली है, भाजपा का सफाया करती जा रही है। भाजपा नेताओं की भाषा और भाषण बदल गए हैं। पहले चरण ने रुझान दे दिया है। किसान, गरीब, नौजवान, अल्पसंख्यक भाजपा के खिलाफ खड़े हैं। भाजपा इस चुनाव में इतिहास बन जाएगी। इंडिया गठबंधन में देश का भविष्य दिखाई दे रहा है। बीजेपी का झूठ जनता के सामने उजागर हो रहा है। उनके नेताओं के भाषण, उनका घोषणा पत्र सब झूठ है। भाजपा सबसे झूठी पार्टी है। उसका का झूठ सब समझ चुके हैं। भाजपा का कोई काम जमीन पर नहीं दिखाई दे रहा है।

मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र के ताखा ब्लाक में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने चुनावी चंदे के नाम पर भारी भ्रष्टाचार किया है। वसूली की है। इतिहास में इतनी वसूली किसी ने नहीं की, जितना भाजपा ने की है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स से दबाव बनाकर वसूली की। हजार-हजार करोड़ रूपये वसूला। वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी वसूली कर ली। कोरोना भगाने के लिए थाली और ताली बजवाई। पहले ये जुमला देते थे, अब गारन्टी के नाम पर झांसा दे रहे है। इनकी गारन्टी झूठी है। भाजपा ने किसानों को धोखा दिया। मदद और राहत नहीं दी। बड़े-बड़े उद्योगपतियों का 15 लाख करोड़ रूपये का कर्ज माफ कर दिया। किसानों का कर्ज नहीं माफ किया। कर्ज उनका माफ किया जिन्होंने पांच करोड़ से ज्यादा का कर्ज लिया था। चुनावी चंदे की वसूली के कारण देश में महंगाई बढ़ी। हर परिवार महंगाई से परेशान है। इंडिया गठबंधन की सरकार आने पर किसानों का कर्ज माफ होगा। फसलों को एमएसपी का कानूनी अधिकार मिलेगा। किसान, नौजवान भाजपा सरकार के खिलाफ इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट कर रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के दस साल में नौजवानों का एक तिहाई जीवन बर्बाद हो गया। नौकरी, रोजगार नहीं मिला। भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। ये सब पेपर जानबूझकर लीक कराये गये। भाजपा ने 60 लाख नौजवानों का भविष्य बर्बाद कर दिया। किसान, नौजवान, गरीब, मध्यम वर्ग पूरी तरह भाजपा के खिलाफ है। भाजपा घबराई हुई है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया। किसानों का गेहूं नहीं खरीदा जा रहा है। किसानों का गेंहू सरकार नहीं खरीद रही है। बड़ी-बड़ी कम्पनियां फसल खरीद रही है। वही कम्पनियां मुनाफा कमा रही है। किसानों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इसीलिए हमने घोषणा पत्र में वादा किया है कि दिल्ली में सरकार बनने पर गरीबों को मुफ्त राशन के साथ खाने के लिए पैक्ड आटा और मोबाइल चलाने के लिए डाटा दिया जाएगा। आज के समय में मोबाइल, लैपटॉप चलाने के लिए डाटा जरूरी है। कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई मोबाइल से हुई। ऑनलाइन पढाई और जानकारी के लिए मोबाइल डाटा आवश्यक है। समाजवादी पार्टी ने लैपटॉप बांटा, भाजपा ने झूठा वादा किया। लैपटॉप नहीं दिया। समाजवादी सरकार ने डिजिटल डिवाइड दूर किया। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस बार सबसे ज्यादा सीटें जीतने जा रही है। पीडीए पूरी तरह से समाजवादी पार्टी को वोट कर रहा है। जो लोग अभी तक एनडीए-एनडीए चिल्ला रहे थे पीडीए परिवार ने उनके होस उड़ा दिए हैं। समाजवादी पार्टी को सबसे ज्यादा वोट मिलने जा रहा है। यह लड़ाई बहुत बड़ी है। भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर संविधान बदलना चाहती है। इस बार चुनाव में चूक गए तो भाजपा जनता के वोट का अधिकार छीन लेगी। बाबा साहब का संविधान संजीवनी है। इसी संविधान से हक, अधिकार, आरक्षण मिल रहा है। भाजपा सब कुछ छीनना चाहती है। संविधान, लोकतंत्र बचाने के लिए सब मिलकर भाजपा को हटाए। देश को भाजपा से बचाने के लिए समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस समेत कई दलों के साथ इंडिया गठबंधन बनाया है।

अहमदाबाद में अपोलो ग्रुप ने जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट किया लॉन्च

अहमदाबाद,एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद में अपोलो ग्रुप ने बुधवार को जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट लॉन्च किया। अपोलो हॉस्पिटल्स के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर डॉ अनुपम सिब्बल ने इस अवसर पर कहा कि अपोलो ग्रूप ने अहमदाबाद में गुजरात का पहला जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट लॉन्च किया है। अपोलो ग्रूप ने जीनोमिक्स में अपने निवेश को दोगुना किया है। इससे पहले अपोलो जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट को पहले मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में लॉन्च किया गया। भारत ने बीते कुछ वर्षों के दौरान संचारी रोगों से निपटने के मामले में काफी प्रगति की है। हालांकि वर्तमान समय में आनुवंशिक विकारों की संख्या में वृद्धि को नजरअंदाज कर दिया गया है। जीनोमिक्स के साथ इन बीमारियों को प्रकट होने से पहले ही पहचाना जा सकता है और यह वास्तव में प्रारंभिक हस्तक्षेप और निवारक देखभाल को सक्षम करता है। अपोलो जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट का लक्ष्य जीनोमिक सेवाओं को प्रत्येक चिकित्सक और मरीज की पहुंच के भीतर लाकर चिकित्सा पद्धति में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

अहमदाबाद का अपोलो जीनोमिक इंस्टीट्यूट आनुवंशिक मूल्यांकन, नैदानिक निदान, प्रसूति आनुवंशिकी, कैंसर जीनोमिक्स, प्रसव पूर्व आनुवंशिक स्क्रीनिंग क्षमताओं और इससे अधिक कई जीनोमिक सेवाओं की श्रेणी का आयोजन करेगा, जो रोगियों को आनुवंशिक विकारों के प्रबंधन और रोकथाम के लिए जानकारी के साथ सशक्त करेगा। उन्होंने कहा,

जेनेटिक्स विभिन्न बीमारियों और स्थितियों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपोलो जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट की स्थापना के साथ ही हम व्यापक आनुवंशिक परीक्षण, परामर्श और व्यक्तिगत उपचार विकल्प प्रदान करने के लिए तैयार हैं। अपोलो जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट, अत्यधिक कुशल जेनेटिकिस्ट्स (आनुवंशिकीविदों), चिकित्सकों और शोधकर्ताओं की एक टीम के नेतृत्व में भारत में मेडिकल जेनेटिक्स (चिकित्सा आनुवंशिकी) के क्षेत्र के विकास के साथ इसे और आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। अपोलो हॉस्पिटल्स की कंसल्टेंट मेडिकल जेनेटिकिस्ट डॉ. अंबिका गुप्ता ने कहा कि, भारत अत्यधिक विविधता वाला देश है और इस प्रकार, जीनोमिक दवा में परिवर्तन की क्षमता हो सकती है। शिशु मृत्यु दर में कमी के साथ, आनुवंशिक विकार बीमारियों के एक महत्वपूर्ण रूप के रूप में उभर रहे हैं। लोग दिनोंदिन, स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और इसके साथ ही, आनुवंशिक और गैर-संचारी रोगों (एनसीडीएस) जैसे कि कैंसर और हृदय संबंधी विकारों की रोकथाम और निदान में जीनोमिक परीक्षणों के महत्व के बारे में भी जागरूकता बढ़ रही है। जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट का विस्तार ऐसे विकारों की रोकथाम और प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भारत और दुनियाभर में एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। अपोलो हॉस्पिटल्स की वाइस चेयरपर्सन डॉ. प्रीथा रेड्डी ने कहा कि, आज का दिन हेल्थकेयर (स्वास्थ्य देखभाल) की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण सीमा चिह्न है। अपोलो हॉस्पिटल, अहमदाबाद में जीनोमिक इंस्टीट्यूट के उद्घाटन के साथ हम चिकित्सा विज्ञान में एक परिवर्तनकारी मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। यह पहल, रोगी देखभाल में क्रांति लाने के लिए जीनोमिक्स की शक्ति का उपयोग करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता दर्शाती है। हमें विश्वास हैं कि यह प्रयास हमें नवीनता की नई सीमाओं की ओर ले जाएगा और अंततः स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को फिर से परिभाषित करेगा। अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप के हॉस्पिटल डिवीजन के अध्यक्ष और सीईओ डॉ. मधु शशिधर ने कहा कि, अपोलो में हमारा मानना है कि मरीजों को उनके स्वास्थ्य के संबंध में निर्णय लेने की प्रक्रिया में सबसे आगे लाने की जरूरत है। मरीज-केंद्रित विश्लेषण के साथ वास्तविक दुनिया के डेटा स्रोतों की लगातार बढ़ती उपलब्धता इस बात की गहरी जानकारी प्रदान करती है कि उनका निदान, उपचार और देखरेख कैसे की जाती है। जीनोमिक्स ऐसा ही एक क्षेत्र है। बढ़ती एनसीडी के कारण, मरीज-स्तरीय डेटा की अधिक उपलब्धता से चिकित्सकों को मरीज के स्वास्थ्य की यात्रा को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह आनुवंशिक अंतर्दृष्टि का लाभ उठाकर चिकित्सा में वैयक्तिकरण को भी सक्षम बनाता है जो बीमारियों की रोकथाम, निदान और उपचार के संबंध में लिए गए निर्णयों पर अत्यधिक प्रभाव डाल रहा है। अपोलो जीनोमिक्स इंस्टीट्यूट में प्रिवेन्टीव केयर(निवारक देखभाल) और पर्सन्लाइज्ड मेडिसिन (वैयक्तिकृत चिकित्सा) पर हमारा ध्यान अधिक लचीले और स्वस्थ समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। डायरेक्टर डॉ अनुपम सिब्बल ने कहा, जेनेटिक्स, विभिन्न बीमारियों और स्थितियों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कोटक महिंद्रा बैंक के ऑनलाइन नये ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

मुंबई,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी खामियों को दूर करने में लगातार विफलता का हवाला देते हुए बुधवार को निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक को तत्काल प्रभाव से अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया।

रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड के खिलाफ पर्यवेक्षी कार्रवाई को लेकर जारी बयान में कहा कि बैंक अपने क्रेडिट कार्ड ग्राहकों सहित अपने मौजूदा ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करना जारी रखेगा। वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिज़र्व बैंक की बैंक की आईटी जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं को व्यापक और समय पर ढंग से निपटान करने में बैंक की ओर से लगातार विफलता के आधार पर ये कार्रवाई की गयी है। आईटी इन्वेंट्री प्रबंधन और परिवर्तन प्रबंधन, उपयोगकर्ता पहुंच प्रबंधन, विक्रेता जोखिम प्रबंधन, डेटा सुरक्षा और डेटा लीक रोकथाम रणनीति, व्यापार निरंतरता और आपदा वसूली कठोरता और ड्रिल के क्षेत्रों में गंभीर कमियां और गैर-अनुपालन देखे गए। लगातार दो वर्षों तक, नियामक दिशानिर्देशों के तहत बैंक के आईटी जोखिम और सूचना सुरक्षा प्रशासन में कमी का आकलन किया गया था।

बाद के आकलन के दौरान, बैंक को वर्ष 2022 और 2023 के लिए रिज़र्व बैंक द्वारा जारी सुधारात्मक कार्य योजनाओं के साथ काफी गैर-अनुपालनकारी पाया गया, क्योंकि बैंक द्वारा प्रस्तुत अनुपालन या तो अपर्याप्त, गलत या टिकाऊ नहीं पाया गया। एक मजबूत आईटी बुनियादी ढांचे और आईटी जोखिम प्रबंधन ढांचे के अभाव में, बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) और इसके ऑनलाइन और डिजिटल बैंकिंग चैनलों को पिछले दो वर्षों में लगातार और महत्वपूर्ण रुकावटों का सामना करना पड़ा है, हाल ही में अप्रैल में सेवा में व्यवधान हुआ था जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों को गंभीर असुविधाएँ हुईं।

आरबीआई ने कहा, अपनी वृद्धि के अनुरूप आईटी सिस्टम और नियंत्रण बनाने में विफलता के कारण बैंक को आवश्यक परिचालन लचीलापन बनाने में भौतिक रूप से कमी पाई गई है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)